• जयपुर, बुधवार, 15 मई 24 • वर्ष 13 • अंक 259 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 जयपुर विकास प्राधिकरण ने दिया नवीन अवैध कॉलोनियों के खिलाफ...

पेज @4 कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद और गरीबी की जननीः भजनलाल...

पेज @8 कांग्रेस की नीति और नियत ठीक न होने से जनता ने दिखाया बाहर का...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

ताजा खबर

पेशेवर लापरवाही के लिए वकीलों पर मुकदमा नहीं हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक फैसले में कहा कि सेवाओं में कमी के लिए अधिवक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता।

न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उद्देश्य और विषय केवल उपभोक्ताओं को अनुचित प्रथाओं एवं अनैतिक व्यावसायिक प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करना है। विधायिका का इरादा कभी भी व्यवसाय या इसके पेशेवरों को क़ानून के तहत शामिल करने का नहीं था।

पीठ ने कहा कि हमने 'पेशे' को 'व्यवसाय' और 'व्यापार' से अलग किया है। हमने कहा है कि किसी पेशे के लिए एजुकेशन या साइंस की किसी ब्रांच में एडवांस एजुकेशन और ट्रेनिंग की जरूरत होगी। काम की प्रकृति अलग है, जिसमें शरीर के बजाय दिमाग पर ज्यादा जोर पड़ता है। किसी पेशेवर के साथ किसी व्यवसायी या व्यापारी की तरह समान व्यवहार नहीं किया जा सकता।

नक्सलियों को चुकानी होगी मासूमों की मौत की कीमत : विष्णु देव साय

रायपुर/एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए दो बच्चों की आईईडी की चपेट में आने से मौत हो गई। इस हादसे पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख व्यक्त किया और कहा है कि नक्सलियों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

राज्य के मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को हुई घटना का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, बीजापुर जिले के बड़े बोड×गा गांव के एक खेत में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से गांव के दो मासूम बच्चों के देहावसान की दुखद सूचना प्राप्त हो रही है। ईश्वर से उन अबोध बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। उन्होंने आगे लिखा, नक्सलवाद का काला साया हमारे बच्चों को निगल रहा है, जिसे किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। नक्सलियों को मासूमों के करुण मौत की क़ीमत अवश्य चुकानी होगी।

कांग्रेस की कमजोर सरकारों ने देश को नक्सलवाद की आग में झोंका : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री ने कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी और गिरिडीह से चंद्रप्रकाश चौधरी के लिए मांगे वोट

रांची/एजेंसी

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी में अपने नामांकन के तुरंत बाद एक बार फिर झारखंड दौरे पर आए. इस दौरान उन्होंने कोडरमा लोकसभा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी और गिरिडीह लोकसभा प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी के लिए वोट मांगा. पीएम नरेंद्र मोदी गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखण्ड अंतर्गत पेशम में एक जनसभा को संबोधित किया. पीएम मोदी ने गिरिडीह के लोगों को गारंटी देते हुए कहा कि नक्सलवाद हो या आतंकवाद मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इनके ऊपर बड़ा प्रहार करने का संकल्प ले चुकी है. वहीं पीएम मोदी ने झारखंड में नक्सलवाद के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया. गिरिडीह-पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकारों ने देश को नक्सलवाद की आग में झोंका. इस आग में वामपंथियों ने भी अपनी रोटियां सेकीं. बीजेपी सरकार ने देश में नक्सली हिंसा पर लगाम लगायी. उन्हें चुनौतियों को टालना नहीं, बल्कि टकराना आता है. जब देश में मजबूत सरकार होती है, तो वो सबसे पहले देश का हित देखती है. देश के लोगों का हित देखती है, लेकिन जब देश में कांग्रेस जैसी कमजोर सरकार होती है, तो वो देश को भी कमजोर कर देती है. ऐसी कमजोर सरकार कभी भी देशवासियों का भला नहीं कर सकती. अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि मैं काशी से नामांकन के बाद सीधे यहां आया हूं, नामांकन के बाद यह पहली जनसभा है. उन्होंने कहा कि मैं काशी का पीएम नहीं, एमपी हूं. कोडरमा और गिरिडीह के लोगों को भी यही सोच कर वोट देना है कि मोदी है आपका एमपी और मोदी ही आपका पीएम है.

पीएम मोदी ने एक नया नारा दिया है. उन्होंने कहा कि मोदी का नया मंत्र 'वंचितों को वरीयता' है. उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पूछता नहीं था मोदी उसे पूजता है. मोदी गरीबों के लिए काम कर रहा है, इलाज की व्यवस्था, घर की व्यवस्था सभी पर काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि कल श्रीनगर में जो मतदान हुआ है, लोकतंत्र में आस्था व्यक्त की गई है. भारत की संविधान के प्रति जो मुहर लगाई गई है. दशकों बाद श्रीनगर में चुनाव का उत्सव था. लोग कह रहे थे कि 370 जाने के कारण ही यह संभव हो पाया है.इस सभा में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह से एनडीए प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी, गांडेय विधानसभा प्रत्याशी दिलीप वर्मा, विधायक केदार हाजरा, अमित यादव, पूर्व विधायक नागेंद्र महतो, भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव दूबे समेत कई नेता मौजूद रहे.

गृह मंत्री शाह समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

पांचवें चरण में पहुंचा लोकसभा चुनाव

पीएम मोदी ने वाराणसी से दाखिल किया नामांकन

वाराणसी/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के काल भैरव मंदिर में दर्शन करने के बाद अपना नामांकन दाखिल कर दिया। पीएम मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार अपना नामांकन दाखिल किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के काल भैरव मंदिर में पूजा की।

पीएम सुबह 9.30 बजे दशाश्वमेध घाट पहुंचे, जहां उन्होंने करीब 20 मिनट गंगा पूजन किया। इसके बाद आरती कर क्रूज से नमो घाट पहुंचे। पीएम ने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। प्रधानमंत्री नामांकन दाखिल करने के बाद रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी के नामांकन में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, लोजपा (क्र) प्रमुख चिराग पासवान, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। दक्षिण के सुपरस्टार पवन कल्याण भी वाराणसी पहुंचे। आपको बता दें इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद 6 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। पूरे रोड शो के दौरान लोगों ने पुष्प वर्षा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

जानिए पीएम के पास कितनी है संपत्ति

पीएम मोदी के पास न घर और न ही कोई कार

वाराणसी/एजेंसी।

लगातार दो बार प्रधानमंत्री रहने और पिछले 10 साल में देश के चार करोड़ गरीबों को घर मुहैया कराने के बावजूद नरेंद्र मोदी के पास न तो अपना खुद का घर है और न ही उनके पास कोई गाड़ी है, उनके पास सिर्फ तीन करोड़ दो लाख रुपये की संपत्ति है।

मोदी ने मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से तीसरी बार नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रधानमंत्री के चार स्थानीय लोग प्रस्तावक बने हैं। श्री मोदी की ओर से दाखिल किए गए हलफनामे में उन्होंने अपनी संपत्ति के बारे में भी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री के अपने नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में उनके पास 3.02 करोड़ रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्ति है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक में दो करोड़ 89 लाख 45 हजार 598 रुपये की सावधि जमा शामिल है। इसके साथ ही उनके पास 52 हजार 920 रुपये नकद हैं, जिसमें से 28 हजार रुपये निकाले गए हैं।

मोदी के पास गांधीनगर में भारतीय स्टेट बैंक की एनएससी शाखा में 73 हजार 304 रुपये और वाराणसी में शिवाजी नगर शाखा में सात हजार रुपये जमा हैं। उन्होंने हलफनामे में कहा कि उनके पास राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र में नौ लाख 12 हजार 398 रुपये हैं। श्री मोदी के पास 45 ग्राम वजन की सोने की चार अंगूठियां हैं, जिनकी कीमत दो लाख 67 हजार 750 रुपये है। वित्तीय वर्ष में उनका अनुमानित आयकर रिटर्न तीन लाख 33 हजार 179 रुपये है। प्रधानमंत्री के हलफनामे के अनुसार उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

राहुल-राजनाथ समेत दांव पर इन दिग्गजों की किस्मत

नयी दिल्ली।

लोकसभा चुनाव 2024 में चार चरणों में अब तक 379 लोकसभा सीटों के लिए वोटिंग हो चुकी है। अब पांचवें चरण में 8 राज्यों के 49 सीटों पर 20 मई को वोट डाले जाएंगे। पांचवें चरण की वोटिंग के साथ ही 428 सीटों पर मतदान संपन्न हो जाएगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार, पांचवें चरण में 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पांचवें चरण में बिहार की 5, जम्मू कश्मीर की एक, महाराष्ट्र और यूपी की 13-13 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की 7, झारखंड की 3 और ओडिशा की पांच सीटों पर भी वोटिंग होगी. इन सभी राज्यों में बीजेपी का मुकाबला क्षेत्रीय दलों से है।

● महाराष्ट्र में एमवीए और एनडीए में कड़ा मुकाबला

पांचवें चरण की वोटिंग के दौरान लोगों की नजरें महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश पर टिकी हैं. महाराष्ट्र की 13 सीटों पर वोटिंग से राजनीतिक दलों का भविष्य तय होगा. महाराष्ट्र में दो गठबंधन एनडीए और एमवीए के बीच कड़ा मुकाबला है. उत्तर प्रदेश में भी कई राजनीतिक दिग्गजों के चुनाव क्षेत्र में वोट डाले जाएंगे।

● करोड़पति उम्मीदवार

इस चरण में 33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। प्रत्येक उम्मीदवार की औसतन संपत्ति 3.56 करोड़ रुपये आंकी गई है। सबसे अधिक संपत्ति वाले शीर्ष तीन उम्मीदवारों ने 110 करोड़ से लेकर 212 करोड़ रुपये तक की संपत्ति घोषित की है। इसके अलावा, 47 फीसदी उम्मीदवारों ने देनदारियां घोषित की हैं। इनमें से कुछ पर करोड़ों रुपये का भारी कर्ज है।

कई दिग्गज हैं मैदान में

» पहले चरण में 66.1, दूसरे चरण में 66.7, तीसरे चरण में 65.7 और चौथे चरण में 67.3 प्रतिशत मतदान हुआ। वोटों का यह आंकड़ा पिछले आम चुनाव से कम है। पांचवें चरण में लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमेठी से स्मृति ईरानी, रायबरेली से राहुल गांधी, मुंबई उत्तर मध्य से उज्जवल निकम, मुंबई उत्तर से पीयूष गोयल, बिहार में सारण सीट से राजीव प्रताप रुढी और रोहिणी आचार्य के भाग्य का फैसला होगा। बिहार की हाजीपुर सीट पर भी 20 को वोटिंग होगी, जहां से चिराग पासवान उम्मीदवार हैं।

राजकीय सम्मान के साथ दीघा घाट पर हुआ सुशील मोदी का अंतिम संस्कार

पटना/एजेंसी।

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का अंतिम संस्कार मंगलवार की शाम राजकीय सम्मान के साथ पटना के गंगा के दीघा घाट पर किया जाएगा।

इसके लिए बिहार भाजपा के मंगलवार के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अस्वस्थ होने के कारण उनके आज के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। नीतीश कुमार पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर मर्माहत हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्व. सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर दिल्ली से पटना विशेष विमान से लाया जायेगा। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ संपन्न होगा। मुख्यमंत्री ने उनकी धर्मपत्नी जेसिस जार्ज से दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा मोदी के परिजनों, समर्थकों और प्रशंसकों को दुख की इस घड़ी में धैर्य रखने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। बताया गया कि पटना पहुंचने के बाद मोदी का पार्थिव शरीर पहले उनके निजी आवास ले जाया जाएगा, जहां उनके परिजन और लोग उनका अंतिम दर्शन कर सकेंगे।

● सुशील मोदी के निधन पर अश्विनी चौबे हुए भावुक

पटना/एजेंसी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपना भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में अश्विनी चौबे यह कहते हुए सुने और देखे जा सकते हैं कि वो (दिवंगत सुशील कुमार मोदी) एक अध्ययनशील व्यक्ति थे। वो हमेशा ही पुस्तकें पढ़ा करते थे। उन्हें अध्ययन करना बहुत अच्छा लगता था। उन्होंने कहा, सुशील जी मेरे मित्र ही नहीं, बल्कि मेरे भाई के समान थे। मैंने आज अपने एक ऐसे भाई को खोया है, जिसकी शब्दों में व्याख्या नहीं की जा सकती। सुशील मोदी जी मुझे हर विषम परिस्थितियों में सलाह देते थे। मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि मुझे ऐसा दिन देखना पड़ेगा। सुशील मोदी जी में विनम्रता कूट-कूट कर भरी थी। अगर कभी गुस्सा भी करते, तो कहते कि मुझे लगता है कि मैंने उस आदमी को डांट दिया। वो कहते थे कि मैंने उनकी आदत ठीक करने के लिए उन्हें डांटा है।

लोकतंत्र के लिए!

जनता द्वारा, जनता का और जनता के लिए शासन के महास्वप्न को साथ लेकर लोकतंत्र की शासन–विधा आधुनिक युग में सबसे प्रबुद्ध, व्यावहारिक और विवेकशील सरकार चलाने की पद्धति के रूप में स्वीकार की गई है। उत्तर कोरिया और चीन जैसे देश ज़रूर इसके अपवाद हैं जहाँ भिन्न क़िस्म की शासन–व्यवस्थाएँ हैं। यह भी सही है कि जिन देशों में लोकतंत्र है सभी एक जैसे नहीं हैं। राजतंत्र और सैन्य हस्तक्षेप के विविध रूप ऐसे अनेक देशों में मिलते हैं जहां स्वतंत्रता पर पहरा है, अन्याय और असमानता है। इन भेदों के बावजूद लोकतंत्र की व्यवस्था में जनता के चुने प्रतिनिधि या सीधे जनता से चुने लोगों को शासन सँभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाती है। इसके मूल में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का ही आदर्श सक्रिय है। सबकी भागीदारी के लिए अवसर देना, ज़िम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ शासन चलाना, शांति और समानता के सिद्धान्तों को ज़मीनी हक़ीक़त बनाने के साथ प्रतिबद्धता लोकतंत्र की जान होती है। यह सब लोकतंत्र को मानवता की वैचारिक प्रगति के इतिहास में एक ख़ास उपलब्धि बना देता है।

आज के अधिकांश विकसित देशों की कहानी में वहाँ के दर्दभरे ख़ौफ़नाक अतीत की स्मृति आज भी लोगों को टीसती रहती है। लोकतंत्र की क़ीमत अब उन्हें भलीभाँति मालूम है। लोकतंत्र की सफलता के लिए ज़रूरी है कि जनता से शासन करने के लिए मिली शक्ति की स्वीकार्यता और ठीक–ठीक पहचान बनी रहे । यह भी ज़रूरी है कि शासन में सत्ता का वितरण विकेंद्रित हो और जनता से सलाह–मशविरा भी लगातार होता रहे। इसमें नियमित रूप से जाँच और संतुलन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। चुनाव में मतदान से इसकी शुरुआत होती है, इसलिए नियमपूर्वक और समय से चुनाव होने चाहिए। नियमों और क़ानूनों का पालन होना चाहिए तथा क़ानून को ही सर्वोपरि माना जाना चाहिए। ज़रूरी यह भी है कि देश के नागरिकों के सभी मौलिक मानव अधिकारों की सुरक्षा अक्षत बनी रहे । इस सिलसिले में जीवन की, बोलने की, अभिव्यक्ति की और स्वच्छंद घूमने–फिरने की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना सरकार का बड़ा महत्वपूर्ण दायित्व बनता है। अब इस सूची में सिविल सोसाइटी और ग़ैर सरकारी संस्थाएँ (एनजीओ) की व्यवस्थाएँ भी जुड़ गई हैं।

अक्सर कहा जाता है कि लोकतांत्रिक शासन के संचालन की दृष्टि से न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया चार प्रमुख आधार–स्तंभ का काम करते हैं। इनकी संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता अखंड बनी रहनी चाहिए। इसी तरह समानता, समता और बंधुत्व के सिद्धांत भी व्यापक संदर्भ का काम करते हैं जिससे अनुप्राणित हो कर ही नियम क़ानून बनाते हैं और उनका अनुपालन किया जाना चाहिए। सरकार एक जीवन–शैली जैसा उपाय है जो देश और समाज के स्वस्थ विकास के लिए प्रयुक्त होता है। गौर से देखें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने को सुनिश्चित करने में हर स्तर पर समाज की अधिकाधिक जन–भागीदारी होनी चाहिए। वह प्राण–वायु की तरह होती है, यदि वह अवरुद्ध हो जाय या उसके साथ अवांछित छेड़खानी हो तो लोकतंत्र और देश का स्वास्थ्य ख़राब हो जाएगा। यदि सन 1947 में स्वतंत्रता के बाद के देश की लोकतांत्रिक यात्रा पर निगाह डालें और इतिहास पर गौर करें तो कुछ तथ्य ध्यान आकृष्ट करते हैं। देश के संविधान में पहला संशोधन पंडित नेहरू के नेतृत्व में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए 1950 में किया गया । भारत के संविधान में शायद कुल 80 संशोधन कांग्रेस के कार्यकाल में किए गए । देश ने यह भी देखा कि संविधान की उद्देशिका (प्रियम्बिल) में ही बदलाव लाने का भी अभूतपूर्व कार्य किया गया। जैसा कि सर्वविदित है देश में लोकतंत्र को स्थगित कर आपात काल (इमरजेंसी) लगाना और संविधान को निरस्त करना निश्चय ही लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा कार्य था। वह भी कांग्रेस की ही पहल थी। अनेक प्रदेश की सरकारों को उठाने–गिराने का खेल भी चलता रहा। धारा 370 को लेकर भी कांगेस ने जिस मनोवृत्ति का प्रदर्शन किया वह संविधान की प्रतिष्ठा के अनुकूल न था। पिछले कांग्रेसी शासन में घोटालों की धूम मच रही थी और लगातार तुष्टीकरण पर ज़ोर दिया जाता रहा ताकि वोट बैंक को साधा जा सके।

अब धर्म को आधार लेकर आरक्षण की बात और विभिन्न वर्गों को मुफ़्त की ख़ैरात बांटने और क़र्ज़माफ़ी के प्रस्तावों के साथ जो बेहिसाब उद्घोषणाएं हो रही हैं उनका कोई वित्तीय आधार नहीं दिखता। सरकार को पूरे देश के समग्र विकास के लिए सोचना होता है और इस दृष्टि से विपक्ष कोई विकल्प नहीं दे पा रहा सिवाय यह कहने के कि जो कुछ वर्तमान सरकार का कार्य है वह निरर्थक है। विपक्षी नेताओं की ओर से कोई व्याख्या और विकल्प किसी कोने से आता नहीं दिख रहा है। ऐसे में एक रोचक संयोग यह भी बन रहा है कि विदेशों के मीडिया में भारत की छवि को हेठा दिखाने का समानांतर प्रयास भी चालू है। भारत की विविधता की उपेक्षा और समावेश की कमी को लेकर प्रश्न उठाए जाते रहे हैं। अब एक दशक तक सत्ता में रहने के अनुभव और भाजपा के तीसरे कार्यकाल की संभावना देख चिंता बढ़ रही है। जनमत सर्वेक्षणों में बीजेपी के पक्ष में जनादेश का संकेत है। ऐसे में भारत के ''लोकतांत्रिक पतन'' की पश्चिमी मीडिया की चिंताओं और विपक्षी कांग्रेस दल के विचार प्रमुखों पित्रोदा और ऐयर जैसे माननीयों के सुर एक जैसे हैं। अंग्रेजों से देश को विरासत में प्राप्त करने वाला अभिजात वर्ग हाशिए पर जा रहा है और वह प्रासंगिकता खोता जा रहा है। स्मरणीय है कि नेहरू–गांधी वंश और उसके विभिन्न उत्तराधिकारियों के प्रति वफ़ादारी निभाते प्रमुख कांग्रेसी चिंतक श्री अय्यर ने, जो एक पूर्व राजनयिक थे, कभी मोदी को सुझाव दिया था कि उनको चाय बेचने वापस लौट जाना चाहिए । आम आदमी की साधारण पृष्ठभूमि का इस तरह का तिरस्कार करना घोर अहंकार की मानसिकता का ही पर्याय था जिसे देश ने नकार दिया।

भारतीय भाषाओं और यहाँ की विविध संस्कृतियों और परम्पराओं को साथ लेकर चलते हुए अपने सामाजिक दृष्टिकोण में भाजपा समावेशी होने के लिए यत्न करती रही है। पिछले दशकों के अनुभव से बनी आदतों के विरोध से यह अटपटा भी लगता है और ग़ैर–सेकूलर होने का आरोप भी चस्पा किया जाता है । अपनी आस्था, अपनी भाषा, और अपनी सभ्यता–संस्कृति के प्रति हीन भावना नहीं है । 'भारत' के निवासी और भारतीय कहलाने में गर्व की अनुभूति करना भी स्वाभाविक है। आज विश्व की पाँचवी अर्थ व्यवस्था वाला यह देश स्वतंत्रता की शताब्दी पूरा होते–होते सन 2047 में तीसरे स्थान पर पहुँचने के लिए तत्पर है। भारतवर्ष की आवाज़ बड़े विश्व समुदाय में सुनी जाती है। जी–20 शिखर सम्मेलन ने कई संकेत दिए जो आने वाले समय में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाएँगे। राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विदेशों में रहने वाले हर भारतीय नागरिक की हिफ़ाज़त के अनेक अवसर हमने देखे। महिलाओं के सशक्तीकरण, आदिवासी समुदायों के उत्थान, समाज के अंतिम जन को अच्छे जीवन का अवसर मुहैया कराने, शिक्षा को प्रासंगिक बनाने और भ्रष्टाचारमुक्त भारत के लिए कठिन संघर्ष की यात्रा जारी है। पर राजनीतिक हस्तक्षेप और संस्थाओं के संचालन में बाधाएँ भी आ रही हैं। इसलिए सब ठीक है यह नहीं कहा जा सकता।

भारत की अगली लोक सभा के गठन के लिए हो रहे ताजे चुनाव के लिए प्रचार के माहौल में मतदाताओं को रिझाने के लिए साम, दाम, दंड, और भेद हर तरह की तरकीबों का उपयोग किया जा रहा है। स्टार प्रचारक खुली छूट लेते नज़र आ रहे हैं। सामान्य शिष्टाचार भूल कर वे जिस तरह दुष्प्रचार कर रहे हैं, आरोप–प्रत्यारोप लगा रहे हैं उसमें बहुत सारा विष–वमन भी होता दिख रहा है। लोकतंत्र पर ख़तरा, संविधान–परिवर्तन, लोकतांत्रिक संस्थाओं के हनन और आरक्षण की व्यवस्था को लेकर भय और संदेह पैदा करने का प्रयास हो रहा है। इन सब के सहारे जो सूचना परोसी जा रही है उससे हौआ खड़ा कर आम जन को भयाक्रांत होने के लिए काफ़ी विस्फोटक मसाला पैदा किया जा रहा है। ग़ैर ज़िम्मेदाराना ढंग से कुछ भी कहना जनता में भ्रम भी फैलाता है। यह प्रजातांत्रिक मूल्यों के ख़िलाफ़ है। यह याद रखना ज़रूरी है कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ख़ासियत यही है कि यह व्यवस्था लोकसंभव होती है यानी लोक या समाज के भीतर से उपजने वाली लोक–शक्ति ही इसके लिए नियामक होती है। विश्व–इतिहास इस बात का गवाह है यह व्यवस्था व्यापक जनहित की दृष्टि से अधिनायकवादी क़िस्म की दूसरी व्यवस्थाओं की तुलना में ज़्यादा कारगर साबित हुई है और निश्चित रूप से कम बर्बर है । भारतीय समाज ने अनेक कठिनाइयों को झेलते हुए लोकतंत्र में दृढ़ विश्वास व्यक्त किया है। इस जज़्बे को बचाए रखने की ज़रूरत है। तभी हम सशक्त और समर्थ भारत का निर्माण कर सकेंगे। परिवारवादी और वंशवादी सोच की जगह 'लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु' की सर्वसमावेशी कामना ही हमारा ध्येय होना चाहिए।

पर्यावरण को स्वर्गमय बनाने की शुरुआत परिवार से हो

ललित गर्ग

परिवारों के महत्व और समाज में उनकी भूमिका का जश्न मनाने के लिए 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक वार्षिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने, उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करने, एकजुटता के आदर्शों को बढ़ावा देने और दुनिया भर में पारिवारिक इकाइयों को मजबूत करने वाले प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए इसे 1994 में एक संकल्प के रूप में अपनाया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस की 30वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जिसका थीम है परिवार और जलवायु परिवर्तन। इसका लक्ष्य परिवारों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इन प्रभावों को कम करने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करना है। परिवार और सामुदायिक पहल शिक्षा, सूचना पहुंच, प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी प्रदान करके जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण एवं जीवन पर पड़ रहे खतरों से सावधान करना एवं पर्यावरण को साफ–सुथरा बनाना है। 1983 में, आर्थिक और सामाजिक परिषद और सामाजिक विकास आयोग ने सिफारिश की कि संयुक्त राष्ट्र पारिवारिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करे। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएँ दुनिया भर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए, 1993 में, इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया।

स्पष्ट है कि किसी भी समाज का केंद्र परिवार ही होता है। परिवार ही हर उम्र के लोगों को सुकून पहुँचाता है। दरअसल सही अर्थों में परिवार वह संरचना है, जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन, सुख–दुःख की साझेदारी, सबमें सबके होने की स्वीकृति जैसे जीवन–मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का अवकाश है, अनुशासना के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली में जीता है। वृद्धत्व जीए गये अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसे परिवार रूपी परिवेश में सुखी जीवन का स्रोत प्रवहमान रहता आया है। लेकिन आज इस परिवार की संरचना में आंच आयी हुई है। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ है। विश्वास संदेह में उतर रहा है। कोई किसी को सहने और समझने की कोशिश नहीं कर रहा है। इन स्थितियों पर नियंत्रण की दृष्टि विश्व परिवार दिवस मनाये जाने की प्रासंगिकता आज अधिक सामने आ रही है। परिवार सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है। प्रत्येक व्यक्ति किसी–न–किसी परिवार का सदस्य रहा है या फिर है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को

सोचा नहीं जा सकता है। भारत की संस्कृति और सभ्यता कितने ही परिवर्तनों को स्वीकार करके अपने को परिष्कृत कर ले, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। परिवार बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि अनुभव करते हैं। बावजूद इसके क्यों परिवार बिखर रहे हैं, परिवार संस्था के अस्तित्व पर क्यों धुंधलके छा रहे हैं– इस तरह के प्रश्न समाधान चाहते हैं। भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने इसी समाधान के लिये हिन्दू विवाह परम्परा को बल देने की बात हाल ही में कही हैं। सच है कि आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकल परिवार भी तनाव में जी रहे हैं। बदलते परिवेश में पारिवारिक सौहार्द का ग्राफ नीचे गिर रहा है, जो एक गंभीर समस्या है। परिवार से पृथकता तक तो ठीक है, किंतु उसके मूल आधार स्नेह में भी खटास पड़ जाती है। स्नेह सूत्र से विच्छिन्न परिवार, फिर 'घर' के दिव्य भाव को नहीं जी पाता क्योंकि तब उसकी दशा 'परिवार के सदस्यों की परस्पर अजनबी समूह' जैसी हो जाती है। समस्या आदिकाल से है, किंतु वह अब तक इसलिए है क्योंकि अधिकांश परिवारों ने समाधान के अति सरल उपायों पर विचार ही नहीं किया या फिर यों कहें कि अपनी रूढ़िवादिता की झोंक में विचार करना पसंद ही नहीं किया। मेरे विचार से, स्नेह, सम्मान और स्वतंत्रता की सूत्रत्रयी ही समाधान का मूल है। यदि तीनों का परस्पर अंतर्संबंध समझकर उसे आचरण में उतार लें, तो घर को 'स्वर्ग' बनते देर नहीं लगेगी। जब घर स्वर्ग बनने लगेंगे तो दुनिया, प्रकृति एवं पर्यावरण भी स्वर्गमय बन जायेंगे। दुनिया भर की धन दौलत व्यक्ति को वह सुकून नहीं दे सकती, जो स्नेह और सम्मान का मधुर भाव देता है। इन्सान की पहचान उसके संस्कारों से बनती है। संस्कार उसके समूचे जीवन को व्याख्यायित करते हैं। संस्कार हमारी जीवनी शक्ति है, यह एक निरंतर जलने वाली ऐसी दीपशिखा है जो जीवन के अंधेरे मोड़ों पर भी प्रकाश की किरणें बिछा देती है। उच्च संस्कार ही मानव को महामानव बनाते हैं। सद्संस्कार उत्कृष्ट अमूल्य सम्पदा है जिसके आगे संसार की धन दौलत का कुछ भी मौल नहीं है। सद्संस्कार मनुष्य की अमूल्य धरोहर है, मनुष्य के पास यही एक ऐसा धन है जो व्यक्ति को इज्जत से जीना सिखाता है और यही सुखी परिवार का आधार है। वास्तव में बच्चे तो कच्चे घड़े के समान होते हैं उन्हें आप जैसे आकार में ढालेंगे वे उसी आकार में ढल जाएंगे। मां के उच्च संस्कार बच्चों के संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि सबसे पहले परिवार संस्कारवान बने, माता–पिता संस्कारवान बने, तभी बच्चे संस्कारवान चरित्रवान बनकर घर की, परिवार की प्रतिष्ठा को बढ़ा सकेंगे। अगर बच्चे सत्पथ से भटक जाएंगे तो उनका जीवन अंधकार के उस गहन गर्त में चला जाएगा जहां से पुनः निकलना बहुत मुश्किल हो जाएगा। प्रख्यात साहित्यकार जैनेन्द्रजी ने इतस्तत में कहा है,''परिवार मर्यादाओं से बनता है। परस्पर कर्त्तव्य होते हैं, अनुशासन होता है और उस नियत परम्परा में कुछ जनों की इकाई हित के आसपास जुटकर व्यूह में चलती है। उस इकाई के प्रति हर सदस्य अपना आत्मदान करता है, इज्जत खानदान की होती है। हर एक उससे लाभ लेता है और अपना त्याग देता है''। आज की भोगवादी संस्कृति ने उपभोक्तावाद को जिस तरह से बढ़ावा दिया है उससे बाहरी चमक–दमक से ही आदमी को पहचाना जाता है। यह बड़ा भयानक है। उससे ही अपसांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है और ये ही स्थितियां पारिवारिक बिखराव का बड़ा कारण बन रही है। वही आदमी श्रेष्ठ है जो संस्कृति को शालीन बनाये। वही औरत शालीन है जो परिवार को इज्जतदार बनाये। परिवार इज्जतदार बनता है तभी सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होता है। उसी से कल्याणकारी मानव संस्कृति का निर्माण हो सकता है। भारत को आज सांस्कृतिक क्रांति का इंतजार है। यह कार्य सरकार तंत्र पर नहीं छोड़ा जा सकता है। सही शिक्षा और सही संस्कारों के निर्माण के द्वारा ही परिवार, समाज और राष्ट्र को वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र बनाया जा सकता है इसी उद्देश्य को लेकर श्रद्धेय गणि राजेन्द्र विजयजी के मार्गदर्शन में सुखी परिवार अभियान चलाया जा रहा है। मेरी दृष्टि में इस अभियान के माध्यम से बदलते पारिवारिक परिवेश पर गंभीरता से चिन्तन–मनन हो रहा है और समय–समय पर पारिवारिक संरचना को सुदृढ़ बनाने के लिये प्रभावी प्रयत्न भी किये जा रहे हैं। हाल ही में गुजरात के बडोदरा एवं छोटा उदयपुर जिले के हजारों आदिवासी परिवारों में गणि राजेन्द्र विजयजी ने पारिवारिक सौहार्द का जो प्रशिक्षण दिया, उसके परिणाम भी सुखद रहे हैं। पारिवारिक सौहार्द के इस तरह के प्रयत्न हमारे परिवारों के लिये संजीवनी बन सकती है। इससे जहां हमारी परिवार परम्परा और संस्कृति को पुनः प्रतिष्ठापित किया जा सकेगा। वहां स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और स्वस्थ चिन्तन की पावन त्रिवेणी से स्नात होने का दुर्लभ अवसर भी प्राप्त हो सकेगा। जब परिवार वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र को आत्मसात करेंगे तभी जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्याओं से मुक्ति मिल सकेगी। व्यक्ति से परिवार, समाज, राष्ट्र एवं विश्व मानवता का उन्नयन एवं उत्थान संभव है।

झारखंड का पहला नक्सल मुक्त चुनाव

नवेन्दु उन्मेष

झारखंड में बीते 40 वर्षों में पहली बार नक्सल मुक्त चुनाव हुआ। इसके लिए चुनाव आयोग से लेकर स्थानीय प्रशासन धन्यवाद का पात्र है। पलामू, लोहरदगा, खूंटी, चाईबासा इत्यादि जिलों के नक्सली प्रभावित गांवों में उम्मीद से ज्यादा वोटिंग होना यह दर्शाता है वहां के लोगों का अभी भी भारतीय लोकतंत्र में अटूट विश्वास है। यह अलग बात है कि नक्सल आंदोलन की खौफ की वजह से वे चुनाव से खुद को दूर रखते थे।

पूर्व में चुनाव आते ही नक्सलियों की गतिविधियां बढ़ जाती थी। वोट डालने वालों को तरह–तरह की धमकियां देना उनके कार्य में शुमार होता था। वोट डालने वालों को हाथ काट लेने की चेतावनी देना, छह इंच छोटा करने की बातें कहना एक आम बात थी। यहां तक कि नक्सली उन इलाकों में कार्य करने वाले पत्रकारों को भी चेतावनी देने से परहेज नहीं करते थे। देखा जाता था कि चुनाव के वक्त में प्रत्यशियों के प्रचार वाहन या खुद प्रत्याशी भी नक्सल प्रभावित गांवों में जाने से कतराते थे। इन चेतावनियों की वजह से नक्सली इलाके के ग्रामीण वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंच पाते थे। नक्सल प्रभावित प्रखंडों का हाल यह था कि शाम ढलते ही वहां के पुलिस थानों के दरवाजे आमलोगों के लिए बंद हो जाते थे। अगर किसी कांड को लेकर कोई पीड़ित व्यक्ति थाना पहुंचता था तो उसे दूसरे दिन सुबह प्राथमिकी दर्ज करने की बातें कहकर भगा दिया जाता था। गांव में किसी प्रत्याशी या दल का समर्थन करने वाले की खैर नहीं होती थी। ग्रामीणों के बीच स्थानीय प्रशासन के प्रति विश्वास उत्पन्न होने के कारण वे इस बार वोट डालने के लिए निर्भीक होकर मतदान केन्द्रों

तक आये और वोट डाला। इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ी जीत के रूप में स्वीकारा जाना चाहिए।

एक समय था झारखंड के पलामू, गढ़वा, लातेहार जिले में स्थित बूढ़ा पहाड़ एक घनघोर नक्सली इलाका माना जाता था। राज्य में ज्यादातर नक्सली गतिविधियां इसी बूढ़ पहाड़ से संचालित की जाती थी। नक्सलियों के बड़े–बड़े नेताओं ने इस पहाड़ को पूरी तरह कब्जे में कर रखा था। दिन में तो वे पहाड़ पर छिप जाते थे लेकिन रात होते ही उनकी गतिविधियां तेज हो जाती थी। बूढ़ा पहाड़ के पहली बार नक्सल मुक्त होने के बाद राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार की योजनाओं को लेकर इस इलाके में पहुंचे तो लोगों में सरकार के प्रति आशा का संचार हुआ। वहां पहूंच कर हेमंत सोरेन ने लोगों को जतायाकि राज्य में कोई सरकार नाम की भी संस्था है जो लोगों के लिए काम करती है। तब यहां के लोगों को सरकारी योजनाओं की कोई जानकारी भी नहीं होती थी।

लोकसभा चुनाव से ठीक पूर्व लातेहार और पलामू के एसपी और डीसीके द्वारा बूढ़ा पहाड़ के निकटवर्ती गांवों में पहुंच कर ग्रामीणों को मतदान करने लिए प्रेरित करना भी प्रशासन की एक बड़ी सफलता रही। इन इलाकों के लोगों का प्रशासन ने पहली बार मतदाता पहचान पत्र भी बनवाया और मतदाता सूची में नाम जोड़ा। इसका लाभ यह हुआ कि भयमुक्त होकर यहां ग्रामीण वोट डालने के लिए पहली बार अपने घर से बाहर आये। इनमें कई ऐसे युवा मतदाता भी शामिल थे जिन्होंने पहली बार चुनाव का मुंह देखा और यह भी जाना कि भारतीय लोकतंत्र किसे कहते हैं।

चाईबासा और खूंटी लोकसभा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित गांवों के लोगों ने भी अपने घर से बाहर आकर चुनाव में शिरकत की जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हालांकि सारंडा के इलाके में रास्ते पर पेड़ काटकर नक्सलियों ने मतदान को बाधित करने का प्रयास किया जिसे प्रशासन में विफल कर दिया। याद करने योग्य बात यह है कि पहली बार सारंडा पहुंचकर डा़ मनमोहन सिंह सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जयराम रमेश ने तिरंगा फहराया था। तब आशंका व्यक्त कि जा रही थी कि श्री रमेश पर नक्सली हमला कर सकते हैं। श्री रमेश बाइक पर बैठकर वहां पहुंचे और ग्रामीणों का मनोबल बढ़ाया था। खूंटी के अति नक्सल प्रभावित रनिया प्रखंड के लोगों ने भी मतदान में अपना उत्साह व्यक्त किया। रनिया वह इलाका था जहां चुनाव के वक्त अप्रिय घटना हो जाना आम बात थी। वहां मतदान कराने गये डरे सहमें मतदानकर्मी दिनभर वोटरों का इंतजार करने के बाद शाम को खाली हाथ जिला मुख्यालय आ जाया करते थे लेकिन कोई मतदाता वोट डालने के लिए मतदान स्थल पर नहीं आता था।

अभी राज्य में अन्य चरणों में चुनाव होना बाकी है। हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, धनबाद और दुमका लोकसभा सीट के कई इलाके नक्सली प्रभावित रहे हैं जहां पूर्व में नक्सलियों की समानांतर सरकार चलती रही है । देखना यह है कि इन इलाकों में प्रशासन मतदान केन्द्रों तक कितने मतदाताओं को आकर्षित कर वोट डालने के लिए ला पाता है।

हिन्दू विवाह पवित्र संस्कार : सिर्फ नाच गाना पार्टी नहीं!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के अधिकांश हिस्सों में हिन्दू समाज के कुछ वर्गो खासकर एलीट और सम्पन्न समझे जाने वाले लोगों द्वारा विवाह आयोजन में जिस तरह का वैभव अनाप शनाप खर्च सैकड़ों तरह के व्यंजन डीजे पार्टी आयोजित की जा रही है उन सबके बीच विवाह का संस्कार परंपरागत सप्तपदी के फेरे रस्में सेकेंडरी यानी गौण बनती जा रही है। जबकि सबसे महत्वपूर्ण अग्नि के समक्ष वर वधू के फेरे और जन्म जन्मांतर साथ निभाने के वचन ही हैं जिनके लिए तमाम छोटा या बड़ा समारोह आयोजित किया जाता है। इन दिनों दक्षिण में विवाह की रस्म कराते कर्म कांडी पुरोहित के साथ अभद्र मजाक बनाने का विडियो वायरल हुआ। यह वायरल वीडियो तो सिर्फ आइना है वास्तव में कुछ लोग विवाह के संस्कार को बहुत हल्के और बेहद गैर गंभीर तरीके से लेने लगे हैं उनका सारा जोर ही डांस और पार्टी हल्ला–गुल्ला पर रहने लगा है इतना ही नहीं वरमाला पर वर वधू का उचकाना यह सब गलत व विवाह संस्कार की मर्यादा का पतन है। हाल ही में देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका साफ संदेश यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, हाल के वर्षो में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर–तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर–वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता या करार भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरुआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते। आपको बता दें कि सनातन वैदिक परम्परा में विवाह को एक बहुत पवित्र संस्कार माना गया है इस संस्कार के समय वर को विष्णु और वधू को साक्षात लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। इस संस्कार में विष्णु स्वरूप को एक पिता आदर भाव से पूजा कर उसे लक्ष्मी स्वरूप कन्या सौंपता है। इतना ही नहीं दूसरे धर्मावलंबियों की तरह हिन्दू समाज में विवाह एक समझोता नहीं है वरन जन्म जन्मांतर तक साथ निभाने का वचन है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि + वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है विशेष रूप से (उत्तरदायित्व का) वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मो में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे कि विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म–जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे कि किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे ले कर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक सम्बंध से अधिक आत्मिक सम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है। निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने–गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार–विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढविादिता का नहीं है। बल्कि दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति–रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर–वधू को एक आशीष जैसा ही होता है। जाहिर है कि प्रगति का पैमाना संस्कृति और संस्कारों के साथ खिलवाड़ या फूहड़ता दर्शाना नही होता है। हमें अपने संस्कारों की पवित्रता बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में आ रही मर्यादा हीनता को त्यागना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

दीया कुमारी ने जयपुर बम ब्लास्ट की 16 वीं बरसी के उपलक्ष्य पर आयोजित रक्तदान शिविर में लिया भाग

चमकता राजस्थान। जयपुर। खलील कुरैशी उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर बम ब्लास्ट की 16वीं बरसी के मौके पर महक-दिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया।इस अवसर पर उन्होने कहा कि ईश्वर, जयपुर बम ब्लास्ट में दि पैलेस स्कूल की छात्रा महक और उनकी बहन दिया सहित घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा को शांति दे। मेरी संवेदनाएं सभी के परिवार के साथ हैं।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देशन में एसआईटी करेगी ऑर्गन ट्रांसप्लांट केस की जांच

चमकता राजस्थान। जयपुर।(खलील कुरैशी) फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी गठन करने के आदेश दिए थे। इस पर जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोफस ने एसआईटी का गठन कर दिया है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में दर्ज तीनों एफआईआर की जांच एसआईटी करेगी। एसआईटी में 8 पुलिस अधिकारी और कॉन्स्टेबल करेंगे। एसआईटी की जांच की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे।जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हर दिन नई जानकारी टीम के पास आ रही है। इस पर पुलिस टीम के द्वारा काम किया जा रहा है। इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है, जिसमें जिम्मेदार पुलिस अधिकारी रहेंगे, जो सरकार के आदेश पर बनाई 8 सदस्यों की टीम, जयपुर पुलिस कमिश्नर करेंगे मॉनिटरिंग पहले दिन से इस केस पर काम भी कर रहे हैं। एसआईटी में एसीपी गांधी नगर गोपाल सिंह ढाका और एसीपी पुलिस लाइन हेमराज मूंड, 2 पुलिस निरीक्षक हवा सिंह मंगावा और भवानी सिंह, 2 एएसआई मूल सिंह और धर्मेंद्र कुमार के साथ-साथ 2 कॉन्स्टेबल चैन सिंह और सुभाष चंद्र रहेंगे। इस केस की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ नेएसआईटी का गठन कर दिया है। इसमें 2 2 एसीपी, एर 2 पुलिस निरीक्षक, 2 एएसआई और 2 कॉन्स्टेबल कोशामिल किया गया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एसआईटी का गठन कर दिया है। इसमें 2 एसीपी, 2 पुलिस निरीक्षक, 2 एएसआई और 2 कॉन्स्टेबल को शामिल किया गया है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में गिरफ्तार फोर्टिस हॉस्पिटल के दो डॉक्टर जितेन्द्र गोस्वामी और संदीप गुप्ता को पुलिस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को 15 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा था। गिरफ्तार डॉक्टर जितेंद्र गोस्वामी से हुई पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

जोन-2 में 49 बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियां बसाने का प्रयास विफल

जयपुर विकास प्राधिकरण ने दिया नवीन अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रभावी एवं विधिसम्मत कार्रवाई को अंजाम

मोहम्मद नगर द्वितीय और प्राइम सिटी नामक दोनों नवीन अवैध कॉलोनियों पर चलाया पीला पंजा

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 14 मई। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-02 में निजी खातेदारी की करीब 49 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-02 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित दिल्ली रोड़, आमेर ठाठर, जिला जयपुर में करीब 38 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''प्राईम सिटी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाक र रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रैवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-02 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।जेडीए द्वारा जोन-02 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम ठाठर, पहाड़ी की तलहटी जिला जयपुर में करीब 09 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''मोहम्मद नगर-द्वितीय'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-02 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

इसी प्रकार जोन-02 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम ठाठर क्षेत्र, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-02 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-02, 01 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

पायलट- गहलोत राजनीतिक प्रतिद्वंद्व को एक बार फिर से मिली हवा

'ऐसी बेवकूफी की बात नहीं करना चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया, जाने से नुकसान हो तो क्या फायदा?: गहलोत

चमकता राजस्थान

जयपुर! राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट के बीच एक बार फिर से जुबानी जंग शुरू हो गई है। राहुल गांधी के प्रचार-प्रसार में जुटे गहलोत ने अमेठी में मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसी बेवकूफी न करें कि बुलाया नहीं। प्रियंका गांधी आईं थी, सचिन आते तो सब वेलकम करते, जाने से नुकसान हो तो क्या फायदा? इससे पहले पायलट ने 25 सितंबर, 2022 की घटना का जिक्र करते हुए गहलोत को घेरने का प्रयास किया था। दोनों नेताओं के बीच फिर से बयानबाजी शुरू होने के बाद कांग्रेस में हलचल मच गई। राजनीतिक जानकार इसके अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं। बता दें कि गहलोत के बेटे वैभव ने जालौर-सिरोही सीट से लोकसभा चुनाव लड़े हैं। अमेठी में मीडिया से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि कई इस तरह की बातों को चुनाव में मुद्दा बना दिया जाता है, लेकिन इस तरह के मुद्दों पर कॉमेंट करने से बचना चाहिए। चुनाव में कई बार ये अनावशयक इशयू बनाया जाता है,लेकिन ऐसी बेवकूफी भी नहीं करनी चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया। पायलट को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। इसकी जरूरत नहीं थी। जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे जालौर सिरोही चुनाव प्रचार के लिए नहीं बुलाया गया। कई बार ऐसा हो जाता है, समय नहीं मिल पाता है। हालाकि, प्रियंका गांधी जब चुनाव प्रचार करने के लिए आई थी तो सचिन पायलट भी साथ आते, उनका भी वेलकम होता, लेकिन इस तरह के बयान देने को मैं सही नहीं मानता हूं। गहलोत ने कहा कि मैं जयपुर ग्रामीण में अनिल चोपड़ा के चुनाव प्रचार में नहीं जा पाया। मेरे स्वंय से उनकी बात हुई थी, लेकिन समय का तालमेल नहीं बैठ पाया। अगर मैं इस मुद्दे पर बयान देता और कहता कि मैं चोपड़ा के यहां जाना चाहता था, लेकिन मुझे फीडबैक नहीं मिला, यह ठीक नहीं होता है। चुनाव के वक्त इस बयान कैडिडेट को नुकसान पहुंचाते हैं। हर उम्मीदवार जीतने के लिए चुनाव लड़ता है। वहां की क्या परिस्थितियां है, किस नेता की जरूरत है, उसी हिसाब से पार्टी कंट्रोल रूप से मांग की जाती है। बेतुके बयानों से कैंडिडेट को नुकसान होता है। लोकसभा चुनाव के बीच सचिन पायलट ने एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया था। पायलट के इस इंटरव्यू ने कांग्रेस की सियासत में खलबली मचा दी। उन्होंने 25 सिंतबर, 2022 की सियासी घटना जिक्र करते हुए इशारों में गहलोत को घेरने का प्रयास किया।

राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन राजस्थान के पदाधिकारियों ने की दिल्ली नवनियुक्त पीसीसी चीफ यादव से मुलाकात, लिया आशीर्वाद

चमकता राजस्थान/जयपुर। खलील कुरैशी राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन राजस्थान के पदाधिकारियों ने मंगलवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष देवेन्द्र यादव से उनके आवास पर मुलाकात हुई। इस दौरान राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष प्रो. सीबी यादव के नेतृत्व में प्रदेश कार्यकारणी के पदाधिकारी एडवोकेट तेजपाल नारायण कुलरिया, ऐश्वर्य अटल, राजकुमार बुगालिया, पंकज उपाध्याय, आजाद पालीवाल, नंदाराम महरिया, हिदायतुल्ला, राजेश असवाल और अनेकों पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर उत्तर पूर्वी लोकसभा की बुराड़ी विधानसभा के बारे में विस्तार से चर्चा कि गई। साथ ही ये बताया गया कि पिछले 10-12 दिनों से संगठन द्वारा लगातार जमीनी स्तर पर मेहनत की जा रही है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस गारंटी कार्ड बांट रहे है औश्र लोगों को जागरूक कर रहे है। इस मुलाकात पर देवेंद्र यादव ने सभी को धन्यवाद दिया।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हृदयांश को मिली नई जिंदगी

'क्राउड फंडिंग' के जरिए लगा 17.50 करोड़ का इंजेक्शन

अमेरिका से आया जोल गेनेस्मा इंजेक्शन और जेके लोन अस्पताल में लगाया गया

स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है हृदयांश

चमकता राजस्थान

जयपुर। खलील कुरैशी जेके लोन हॉस्पिटल में मंगलवार को 23 महीने के हृदयांश को 17.50 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगाया गया। अस्पताल में रेयर डिजीज यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर प्रियांशु माथुर और उनकी टीम टीम ने यह इंजेक्शन लगाया। बच्चे को अमेरिका से मंगवाया गया जोल गेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया। हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत थी। परिवार क्राउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटाने में लगा था। दरअसल, हृदयांश के माता-पिता नरेश शर्मा और शमा की शादी 7 साल पहले हुई थी। बेटी शुभी (6) के बाद हृदयांश के जन्म से पूरे परिवार में खुशी थी। सिजेरियन डिलीवरी से हृदयांश का जन्म हुआ था। जन्म के समय हृदयांश को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। 6 महीने तक वह अपनी बॉडी का अच्छा मूवमेंट करता था। 6 महीने बाद जब परिवार के लोगों ने किसी सहारे से खड़ा करने की कोशिश की तो वह खड़ा नहीं हो पाया था। इसके बाद बीमारी का पता चला था। इंजेक्शन लगाने के बाद डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया- इस बीमारी के कारण मसल्स में कमजोरी आने लगती है। बच्चे को चलने-फिरने में परेशानी होती है। सांस रुकने की भी संभावना रहती है। पहले भी दो बच्चों को थैरेपी दे चुके हैं। अब बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे।

बच्चे के नाना नरेश कुंबज ने बताया- सभी का सहयोग करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलिस अधिकारियों ने भी बेटा समझकर हृदयांश की मदद की। इस मुहिम में मदद करने वालों का धन्यवाद। अब बच्चे के स्वस्थ होने की दुआ करें। बच्चे के इंजेक्शन लगाने वाली टीम में डॉ. प्रियांशु माथुर, डॉ. गायत्री, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. आनंद और डॉ. लोकेश अग्रवाल शामिल रहे। क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज भी जुड़े थे मुहिम से इस बीमारी की वजह से हृदयांश घुटनों के बल चल भी नहीं पा रहा था। परिवार को पता चला कि 17.50 करोड़ के इंजेक्शन से बेटे का सांसद-विधायक भी आगे आए थे, आखिरकार पूरी हुई मुहीम भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने पूरे मामले को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिखा था। वहीं, राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए कहा था। बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने विधायक कोष से हृदयांश के परिजनों को 21 लाख रुपए देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था। बता दें हृदयांश का परिवार अलवर के मसारी का रहने वाला है। हृदयांश के पिता नरेश शर्मा मनिया (धौलपुर) पुलिस थाने में एसचओ हैं। जो जयपुर में रहकर इलाज करवा रहे थे।इलाज हो सकता है, लेकिन इतने पैसे नहीं थे। इंजेक्शन खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई गई। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज खान ने भी हृदयांश की जान बचाने के लिए अपील की थी।

संक्षिप्त समाचार

मेरा गांव मेरा व्यवसाय से महिलाओं को उद्यमी व आत्मनिर्भर बनाने की अनूठी पहल

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में आज मलारना डूगर- प्योर इंडिया ट्रस्ट के द्वारा मेरा गांव मेरा व्यवसाय कार्यक्रम सवाईमाधोपुर जिले कि मलारना डूंगर में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्योर इंडिया ट्रस्ट के इस सामाजिक सरोकार के कार्यों की सराहना पूरे सवाईमाधोपुर जिले में हो रही है। संस्था के संस्थापक प्रशांत पाल के मार्गदर्शन में प्योर इंडिया ट्रस्ट के तहत शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य रोजगार आदि जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं। सामाजिक सरोकार के तहत चयनित उधमी अपनी पसंदीदा शोप से स्व-रोजगार हेतू सामान खरीद सकती है ।ताकि वह रोजगार भविष्य में उद्यमी महिला के लिए आर्थिक रूप से रीड की हड्डी साबित हो सकें। संस्था के मलारना डूंगर प्रोजेक्ट के फील्ड कार्यकर्ता बनवारी गुर्जर व धर्मी कुमार बैरवा ने बताया कि प्योर इंडिया ट्रस्ट सिडबी स्वावलंबन फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर व उद्यमी महिला बनाने के लिए बहुत बड़ी पहल कर रहा है। अभी मलारना डूंगर के आस पास के क्षेत्र की 49 महिलाओं को स्वरोजगार खुलवाया जा चुका है। यह सुनने में काफी गर्व महसूस होता है, कि अब गांवों कि महिलाएं रूढ़िवादी विचारो को पीछे छोड़कर एक आत्मनिर्भर महिला बनने कि ओर कदम बढ़ा रही है।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा वैर एवं भुसावर के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक का आयोजन

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह) राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा वैर एवं भुसावर के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक संगठन के प्रदेश महामंत्री महेंद्र लखा-रा के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि हरिशंकर शर्मा सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी, मनमोहन शर्मा प्रधानाचार्य, पुष्पेंद्र सिंह प्रधानाचार्य, लाखन सिंह जिला अध्यक्ष, नरेंद्र पाल शर्मा जिला मंत्री, हेमेन्द्र प्रकाश दत्तात्रेय अध्यक्ष भुसावर व अध्यक्ष वैर सत्य प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सीता वैर में आयोजित की गई। बैठक में महेंद्र लखारा महामंत्री मुख्य अतिथि ने अपना उद्बोधन व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उद्देश्य निर्धारण कर सदस्यता का लक्ष्य निर्धारित कर उद्देश्य की प्राप्ति करनी चाहिए ।संगठन की रीति नीति एवं उद्देश्यों की जानकारी कार्यकर्ताओं को होनी चाहिए। हमारा संगठन राष्ट्रीय हित में शिक्षा ,शिक्षा हित में शिक्षक, शिक्षक हित में समाज की अवधारणा को लेकर संगठन कार्य करता है। बैठक में हरिशंकर शर्मा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, मनमोहन शर्मा प्रधानाचार्य, पुष्पेंद्र सिंह प्रधानाचार्य, हेमेंद्र प्रकाश दत्तात्रेय अध्यक्ष, राम सिंह गुर्जर जिला उपाध्यक्ष ,लाखन सिंह जिला अध्यक्ष, नरेंद्र पाल शर्मा जिला मंत्री आदि ने विचार व्यक्त किये ।इस अवसर पर विजय सिंह गुर्जर, ऊषा गोयल, समय सिंह गुर्जर, बाल स्वरूप पाण्डेय ,राम किशन गुर्जर ,राहुल शर्मा, कमल चंद, यतीश, फूल सिंह बिजारणिया, राकेश कुमार मीणा, मुकेश चंद्र अग्रवाल, दारा सिंह, राहुल धाकड़, लक्ष्मीनारायण मीणा, नैमसिंह, तेजसिंह आदि ने शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। अध्यक्ष सत्य प्रकाश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। संचालन समय सिंह गुर्जर व्याख्याता व राम सिंह गुर्जर ने किया।

सचिव, डीएलएसए रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण, जाने बंदियों के हालात

चमकता राजस्थान/ धौलपुर (रामदास तरुण)। दिनांकः- 14.05.2024 को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर रेखा यादव द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाएं व रसोईघर, बैरक इत्यादि की साफ-सफाई का जायजा लिया गया ।इसके अलावा जेल में महिला बैरक में उपस्थित महिला बन्दियों की स्थिति का जायजा लिया गया। इसके साथ ही सचिव रेखा यादव द्वारा बंदियों को बताया कि यदि किसी विचाराधीन बंदी का उसके प्रकरण में पैरवी हेतु कोई अधिवक्ता नहीं है! तो ऐसे बंदी जेल अधीक्षक को अथवा संबंधित न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने पर न्यायालय को अवगत करावें! तथा उनके माध्यम से नियमानुसार अधिवक्ता नियुक्ति हेतु विधिक सहायता का प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर को भिजवायें, जिससे ऐसे बंदीगण की ओर से पैरवी हेतु प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाया जा सके। इसी प्रकार ऐसे सजायाफ्ता बंदी जिन्होंने सजा के खिलाफ अपील नहीं की है! और वह अपील करना चाहता है तो ऐसे बंदी को विधि अनुसार अपील करने का पूर्ण अधिकार है! और ऐसे बंदी को भी अपील हेतु विधिक सहायता के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जायेगा। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लि.ग्रे.2 सुरेन्द्र सिंह, असिस्टेंट एलएडीसी मीता अग्रवाल, जेल विधिक सहायता क्लीनिक पर कार्यरत पीएलवी इन्द्रेश शर्मा, जेलर पूरन चंद शर्मा, हैड कनि. मनोज सहित कारागृह का स्टॉफ एवं बंदीजन मौजूद रहे ।

कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद और गरीबी की जननी: भजनलाल

बोलें:70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही कांग्रेस, लेकिन जमीनी स्तर की वास्तविकता कुछ अलग ही है

चमकता राजस्थान

जयपुर! सीएम भजनलाल शर्मा ने हरियाणा में चुनावी सभाओं के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, तुष्टीकरण और गरीबी की जननी है। इस पार्टी को सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने का मौका मिला लेकिन गरीबों की सुध नहीं ली। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि दिल्ली से हम एक रुपया भेजते हैं तो जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। आतंकवाद के कारण लोग डर के साये में जीते थे। आंतकवादी आए दिन बंम फोड़कर चले जाते थे। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सिर भी काट दिए जाते थे। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। गरीब कल्याण और देश के विकास के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव भी बढ़ा है। सीएम हरियाणा के बहादुरगढ़ में रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा- एक समय पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन इनकी नीति और नियत ठीक नहीं होने के कारण जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। आजादी के बाद जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा कि कांग्रेस स्वार्थ और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है तो उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर जनसंघ का गठन किया और उनके राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर चलते हुए आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है।

भजनलाल सरकार जवाब पर फिर से करेगी पुनर्विचार

» बीते दिनों एकल पट्टा मामले में सुप्रीम कोर्ट में भजनलाल सरकार की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया। इसके बाद पूर्व मंत्री धारीवाल समेत तीन अधिकारियों को क्लीन चिट दिया गया, लेकिन फिर से भजनलाल सरकार इस मामले में यू टर्न लेती हुई नजर आ रही हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब को लेकर सरकार पुनर्विचार के लिए कमेटी का गठन करने जा रही है। इसके तहत सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा के सहयोग के लिए गृह विभाग, कळ्ळ और एसीबी के अधिकारियों को शामिल कर नई कमेटी गठित कर रही है, जो सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब की समीक्षा करेगी।

राज्य सरकार ने माना था कि नियमों की पूरी पालना हुई

» एकल पट्टा मामले में राजस्थान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बीते दिनों जवाब पेश किया। इस दौरान पेश किए जवाब में कहा गया था कि मामले में नियमों की पूरी पालना हुई थी, जिसने सरकार को किसी भी तरह का कोई वित्तीय नुकसान भी नहीं हुआ है, लेकिन अब भजनलाल सरकार ने अपने जवाबों पर पुनर्विचार करने का निर्णय करने जा रही है। इसको लेकर सरकार जवाब के पुनर्विचार पर कमेटी का गठन कर रही है, जो पिछली बार पेश किए गए जवाब पर बारीकी से समीक्षा करेगी। धारीवाल और 3 अधिकारियों को मामले मिली थी क्लीन चिट हाल ही में राजस्थान सरकार ने एकल पट्टा मामले में कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल और तीन अन्य अधिकारियों पर लगे आरोपों पर क्लीन चिट दे दी थी। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब में कहा गया था कि 10 साल पहले के एकल पट्टा मामले में कोई प्रकरण नहीं बनता है। इस मामले के बाद राज्य सरकार ने एसीबी के अधिकारी राजेंद्र जैन को अढड कर दिया था।

70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही कांग्रेस, लेकिन गरीबों से वास्ता नहीं

» सीएम ने कहा– कांग्रेस 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी भी गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं, लेकिन गरीबों से इनका कोई वास्ता नहीं है। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण की योजनाएं चलाकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और लगभग 50 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए हैं। सीएम कहा– पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की एक भी घटना सामने नहीं आई है। मोदीजी जनता को 100 रुपए भेजते हैं तो उनके खाते में 100 ही पहुंचते हैं, बीच में कट नहीं लगता। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री जी ने अपनी हर दिवाली सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ मनाकर उनका हौसला बढ़ाया है।

कोटा रेलवे स्टेशन से किडनैप हुआ बच्चा जयपुर में मिला

- **हरियाणा की गैंग ने दिया था इस अमानवीय वारदात को अंजाम**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। शहर के रेलवे स्टेशन से किडनैप चार साल के बच्चे का सुराग लग गया है। पूरी वारदात के पीछे हरियाणा गैंग शामिल थी। गैंग राजस्थान में बच्चे चोरी करने की वारदातों को अंजाम दे रही थी। जयपुर में इस पूरे मामले का जीआरपी ने खुलासा कर दिया है। गैंग के सदस्य पांच मई की रात नौ बजे कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक चार साल के बच्चे का किडनैप कर ले गए थे। कैथून खेडारसूलपूर जालखेडा रोड निवासी बच्चे के पिता ओमप्रकाश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पिता ने बताया था कि उसे अपनी पत्नी को लेने फिरोजाबाद जाना था। बच्चे को प्लेटफार्म नंबर एक पर बुकिंग ऑफिस के पास बैठाकर टिकट लेने चले गए। इस दौरान दो बदमाश बच्चे को उठाकर ले गए थे। बच्चे को ले जाते दो लोग स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए थे। दोनों आरोपी बाइक पर बच्चे को ले जाते खेडली फाटक तक सीसीटीवी कैमरे में भी दिखाई दिए थे। इसके बाद से बच्चे और बदमाशों का कोई पता नहीं चल रहा था। जिसके बाद पुलिस ने 10 मई को बच्चे और आरोपियों की सूचना देने वाले को 25 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा भी की थी। बच्चे और आरोपियों का हुलिया बताते हुए जीआरपी थाने, उपाधीकक्षक कार्यालय और अजमेर एसपी कार्यालय के फोन नंबर भी जारी किए थे। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरियाणा के गिरोह को पकड़ा है। इस गिरोह के सदस्य बच्चों का अपहरण करते थे। आरोपियों ने कई रेलवे स्टेशन पर इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी बच्चे को पकड़कर मदारी के साथ जमूरे का काम करवाने वाले थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ में पुलिस जुटी है।

जयपुर ब्लास्ट की बरसी के दूसरे दिन आया फैसला

जयपुर सीरियल ब्लास्ट में नाबालिग आरोपी को जमानत

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । 13 मई 2008 को जयपुर में हुए सीरियल ब्लास्ट के दौरान जिंदा बम रखने के मामले में ज्यूडिशियल कस्टडी में चल रहे नाबालिग आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले की सुनवाई कर रहे किशोर न्याय बोर्ड को तीन महीने में सुनवाई पूरी करने के आदेश दिएआरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश दिए हैं।आरोपी ने घटना के समय खुद को नाबालिग बताया था। किसी किशोर को 3 साल से ज्यादा जेल में नहीं रखा जा सकता, इसी बिंदु पर जमानत दी गई है। आरोपी को जमानत पर शर्तें लगाई है। राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा के अनुसारनाबालिग आरोपी को सशर्त जमानत दी गई है, अगर शर्तों का पालन नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जमानत रद्द कर सकता है। रोज एटीएस दफ्तर में हाजिरी देनी होगी, पासपोर्ट जमा करवाना होगा नाबालिग आरोपी को रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एटीएस के द फ्तर में हाजिरी देनी होगी। अपना पासपोर्ट जेल अफसरों के पास जमा करवाना होगा। बिना अनुमति विदेश यात्रा नहीं कर सकेगा। नाबालिग आरोपी को किसी भी गैर कानूनी संगठन में शामिल नहीं होने की शर्त लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी शर्त लगाई है कि अगर वह किसी भी गैर कानूनी संगठन के व्यक्ति से संपर्क में भी रहा या गैर कानूनी काम में शामिल हुआ तो जमानत रद्द हो जाएगी और फिर से गिर तार किया जा सकता है।

क्या बना जमानत का आधार

» जमानत याचिका में आरोपी पक्ष तर्क दिया गया था कि उसे जयपुर ब्लास्ट के मुख्य केस में बरी कर दिया था और वह घटना के समय उसकी उम्र 16 साल और 3 महीने की थी। साल 2019 से जिंदा बम मामले में ज्यूडिशियल कस्टडी में चल रहा है, जबकि कानूनन किसी भी नाबालिग आरोपी को 3 साल से ज्यादा की सजा नहीं हो सकती है। आरोपी की जमानत का विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) शर्मा ने तर्क दिया कि युवक पर गंभीर आरोप है, वह ब्लास्ट का आरोपी है और इंडियन मुजाहिदीन का सक्रिय मेंबर रहा है। अहमदाबाद में हुए बम धमाकों भी वह शामिल रहा। इसे रिहा करने पर समाज में अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

प्रभारी सचिव श्रेया गुहा ने उपखण्ड कार्यालय लक्ष्मणगढ़ व तहसील कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

ई-फाईल प्रणाली से पार्दर्शिता और सुगमता से कार्य करने के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर खलील कुरैशी। जिले की प्रभारी सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन विभाग जयपुर श्रेया गुहा ने मंगलवार को दूसरे दिवस के दौरे के दौरान जिले के उपखण्ड कार्यालय लक्ष्मणगढ व तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लक्ष्मणगढ़ में नेचर पार्क का विजिट कर नगर पालिका अधीशाषी अधिकारी को निर्देश दिये कि लक्ष्मणगढ़ में स्थापित एसटीपी के पानी का उपयोग पार्क में पैड-पौधों के लिए किया जाये। जिले की प्रभारी सचिव श्रेया गुहा नै उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मणगढ़ को निर्देश दिये कि कार्यालय के राजस्व संबंधी पुराने रिकॉर्ड को सेग्रिमेंट कर उनकों रिकॉर्ड रूम में जमा करवायें तथा कार्मिकों को ई-फाईल के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि ई-फाईल कार्य होने से एक और कागज की बचत होगी दूसरी और पर्यावण भी संरक्षित रहेगा। उन्होंने पुरानी पत्रावलियों के फाईल कवर को बदलने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव ने तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि राजस्व संबंधित 10 से 20 वर्ष से अधिक लम्बित पत्रावलियों का समयबद्धता से निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों में ई- फाइलिंग प्रणाली प्रभावी रूप से लागू होनी चाहिए। आमजन के कार्य अधिक दक्षता एवं समयबद्धता से निस्तारित करने के लिए ई-फाइलिंग प्रणाली लाई गई है। अधिकारी स्वयं सभी कार्य ई- फाइलिंग से संपादित करें। अपने विभाग में ई-फाइलिंग के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग करें। इस दौरान लक्ष्मणगढ़ उपखण्ड अधिकरी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार भवानी शंकर शर्मा, नगर पालिका अधीशाषी अधिकारी लक्ष्मणगढ़ साथ रहें।

एक नजर

भाजपा नेता सुशील मोदी के निधन पर कैंडल जला कर दी गई श्रद्धांजलि

सिवान। अनुमंडल मुख्यालय महाराजगंज शहर में मंगलवार को भाजपा नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी के निधन पर स्थानीय शहीद स्मारक पर कैंडल जलाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने 1 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपस्थित भाजपा नेत्री सुप्रिया कुमारी ने कहा कि उनके निधन से जहां बिहार भाजपा ने एक बड़ा नेता एव अभिभावक खो दिया है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन कुमार पदमाकर ने कहा कि 40 वर्षो से मैं उनसे जुड़ा था। उनकी कमी हमेशा हीं खलेगी।

अररिया अपर जिला न्यायालय ने सशरीर उपस्थित होकर मांगा स्पष्टीकरण

फारबिसगंज/अररिया। अररिया अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की न्यायालय ने फारबिसगंज थाना के थानाध्यक्ष से सशरीर उपस्थित होकर स्पष्टीकरण की मांग की है। वही, न्यायालय ने यह स्पष्टीकरण लंबित अग्रिम जमानत याचिका 414/2024 की सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया है। न्यायालय ने आदेश फारबिसगंज थाना प्राथमिकी संख्या 1354/2022 में अग्रिम जमानत याचिका पर लंबित कांड दैनिकी के संबंध में जारी किया। न्यायालय ने बीते 16 फरवरी 2024 को रिकयुजिसन नम्बर 251/2024 के द्वारा कांड दैनिकी की मांग की गई थी। इसके बाद पुनः न्यायालय ने रिकयुजिसन नंबर 399/2024 दिनांक 7 मार्च के माध्यम से स्मार पत्र निर्गत करते हुए किया था लेकिन आज तक फारबिसगंज थानाध्यक्ष के द्वारा न ही कांड दैनिकी को न्यायालय में समर्पित किया गया ।

एसएसबी ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

पूर्वी चंपारण। एसएसबी 71वीं बटालियन ने युवा विकास फाउंडेशन नामक एनजीओ के सहयोग से भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बेलवा पंचायत के लक्ष्मीपुर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी देते सहायक कमांडेट विश्वास के.एम ने बताया कि एसएसबी 71वीं बटालियन के कमांडेट प्रफुल कुमार निर्देशन में विजन स्प्रिंग कार्यक्रम के तहत निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह है,कि लोग अपने आंखों का सही से ख्याल रख सके क्योकी यह मानव जीवन का सबसे अनमोल अंग है। शिविर में विजन स्प्रिंग की तकनीकी टीम ने दूर-दूर से आए 91 से अधिक ग्रामीणों की निःशुल्क नेत्र जांच की तथा जिन लोगों को चश्मे की जरूरत थी।

रात्रि चौपाल से ग्रामीण परिवेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास

मधुबनी। जिला में ग्रामीण परिवेश में रात्रि चौपाल के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढाने का प्रयास प्रारम्भ किया गया है। मधुबनी संसदीय क्षेत्र का चुनाव बीस मई को सुनिश्चित है। डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने मंगलवार को आमजनों से चुनाव की इस महापर्व में मताधिकार करने का आग्रह किया है। डीएम ने कहा कि मतदान से लोकतंत्र की जड़ मजबूत होगी। जिला में बीस मई को मधुबनी संसदीय क्षेत्र में शत-प्रतिशत मतदान के लिए निर्वाचन कोषांग बहुआयामी प्रयास के लिए तत्पर है।दिन में घर-घर जीविका व आंगनवाड़ी के माध्यम से मतदान को प्रचार अभियान चल रहा है।सोमवार की रात्रि से संसदीय क्षेत्र के विभिन्न गांव में मतदाता जागरूकता को चौपाल कार्यक्रम प्रारम्भ की गई। जीविका समूहों द्वारा मतदाताओं को अपना वोट डालने को शपथ दिलाई गई। डीपीआरओ परिमल कुमार ने बताया कि आइकॉन लोक संगीत गायिका पूनम मिश्रा की सुमधुर संगीत से अधिकाधिक मतदान करने की प्रयास जारी है।

नहाने गया छात्र तालाब में डूबा, मौत

सिलीगुड़ी। दोस्तों के साथ तालाब में नहाने के दौरान एक पांचवीं कक्षा के छात्र का मौत हो गया है। मृतक छात्र का नाम सायन पाल है। वह नक्सलबाड़ी के मध्य कोटिया जोत का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह सायन अपने दोस्तों के साथ नक्सलबाड़ी आश्रम संलग्न एक तालाब में नहाने गया था। इस दौरान सायन तालाब में डूब गया। जिसके बाद सायन के दोस्तों ने इसकी सूचना परिवार और स्थानीय लोगों को दी। सूचना मिलने के बाद लोगों ने सायन को तालाब से बरामद कर नक्सलबाड़ी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने सायन को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया। घटना से इलाके में शोक छा गया है।

अमित शाह ने मतुआ बहुल क्षेत्र बनगांव में की चुनावी जनसभा,कहा

बंगाल में भी बनेगी भाजपा की सरकार दीदी आपका समय खत्म

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मतुआ बहुल क्षेत्र बनगांव में मंगलवार को चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि ममता दीदी आपका समय खत्म हो गया है। इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा यदि लोकसभा की 30 सीटें जीतीं तो विधानसभा के आगामी चुनाव में राज्य में भी भाजपा की सरकार बनेगी। गृहमंत्री शाह ने मौजूदा सांसद एवं भाजपा उम्मीदवार शांतनु ठाकुर के पक्ष में आयोजित जनसभा में कहा कि मतुआ एवं नामशुद्र समुदाय के लोगों ने 2019 में शांतनु ठाकुर को सांसद बनाया तो मोदी के नतृत्व में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और 22 जनवरी को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई। ममता और राहुल गांधी पर एक साथ हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी और राहुल बाबा दोनों को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन वे नहीं गए। क्योंकि उन्हें अपने वोटबैंक की चिंता थी। उनके वोटबैंक घुसपैठिए हैं जबकि हमारे वोट बैंक यहां आए मतुआ, नामशुद्र समुदाय के लोग हैं। उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा से आए लोग हमारे वोट बैंक हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने कांग्रेस पर दलितों के अधिकारों के हनन का आरोप लगाते हुए कहा कि 2013 से पहले कांग्रेस ने दलित समुदाय के विकास के लिए केवल 41 करोड़ रुपये का आवंटन किया था जबकि मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में एक लाख 65 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम का जिक्र कर कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि नागरिकता अधिनियम को रोक लेंगी। मैं चुनौती देता हूं रोक कर दिखाएं। यह केंद्र का विषय है आपके हाथ में कुछ भी नहीं है। शाह ने लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

विशेष विमान से सुशील मोदी का पार्थिव शरीर पहुंचा पटना

अंतिम संस्कार में शामिल हुए नड्डा

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को मंगलवार दोपहर विशेष विमान से पटना एयरपोर्ट लाया गया। एयरपोर्ट पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पटना के दीघा घाट पर आज शाम ही सुशील मोदी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जायेगा। उनके अंतिम संस्कार में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। वह शाम को पटना पहुंचेंगे। फूलों से सजी पुलिस की गाड़ी में सुशील मोदी का पार्थिव शरीर हवाई अड्डा से हार्डिंग रोड, आर ब्लॉक ओवरब्रिज, चिरैयाटांड़ पुल, डॉ. आरएन सिंह गोलंबर से राजेंद्र नगर कंकड़बाग पुल होते हुए राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास जाएगा। इसके बाद यहां से उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। उनका पार्थिव शरीर आरएसएस कार्यालय विजय निकेतन लाया जाएगा। सुशील मोदी की अंतिम यात्रा दिनकर चौराहा-नाला रोड, भट्टाचार्य मोड़, एकजीबिशन रोड चौराहा, डाकबंगला चौराहा, कोतवाली थाना, इस्कॉन मंदिर, बुद्ध मार्ग पुल होते हुए सप्तमूर्ति पहुंचेगी। बिहार विधान सभा में उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी ।

संदेशखाली में महिलाओं ने फिर किया विरोध प्रदर्शन, तृणमूल नेताओं पर साधा निशाना

संवाददाता

कोलकाता। संदेशखाली रामपुर इलाके के बगाड़ीपाड़ा में एक बार फिर तनाव है। ग्रामीणों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने स्थानीय तृणमूल नेताओं के खिलाफ मारपीट और शारीरिक प्रताड़ना की शिकायत की। महिलाओं ने उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। दूसरी ओर, रविवार को पुलिस ने संदेशखाली के पिपराखाली में एक नौका के मालिक को लूटने के आरोप में जुल्फिकार मोल्ला नाम के एक भाजपा कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। संदेशखाली बार-बार गर्म हो रहा है। विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी के पोस्टरों को नष्ट करने को लेकर बागड़ीपारा में सोमवार रात तृणमूल-भाजपा के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि रात के अंधेरे में तृणमूल नेताओं ने ग्रामीणों पर अत्याचार किया। उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़कों पर बिरोध प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, संदेशखाली के पिपाडेखाली में नौका घाट के मालिक से नकदी की लूट के मामले में रविवार को इलाके से एक भाजपा कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक बंदूक और एक राउंड गोलियां बरामद की गईं। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि डकैती के दौरान जुल्फिकार ने बंदूक का इस्तेमाल किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार लोगों को अपनी हिरासत में लेने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया जायेगा। इस बीच ये संदिग्ध मामला किससे जुड़ा है। वह शेख शाहजहां सीबीआई की हिरासत में है। उससे पूछताछ के बाद जांचकताओं ने दावा किया कि संदेशखाली के रेबेताज बादशाह ने हथियारों का सौदा खोला था। सीबीआई का आरोप है कि वह बंदूक को मछली से ढंकना चाहते थे।

फिर असहज राज्यपाल, इस बार नर्तकी से दुष्कर्म मामले में नवान्न में जांच रिपोर्ट सौंपी गयी

संवाददाता

कोलकाता। छेड़छाड़ विवाद के बीच राज्यपाल की बेचैनी एक बार फिर बढ़ गई है। कोलकाता पुलिस ने उनके खिलाफ एक पुरानी शिकायत की जांच रिपोर्ट नवान्न को सौंप दी है। एक नर्तकी के यौन उत्पीड़न की शिकायत के आधार पर, लालबाजार ने नवान्न के आदेश पर प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है। और वह रिपोर्ट नवान्न को सौंप दी गई। छेड़छाड़ के आरोपों की जांच के बीच, इस रिपोर्ट ने राजभवन के जानकार हलकों के एक बड़े वर्ग के बीच बेचैनी बढ़ा दी है।

घटना 2023 की है। एक मशहूर ओडिशी डांसर ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत के मुताबिक, कार्यक्रम के बारे में बात करने के लिए उन्हें पिछले जून में दिल्ली ले जाया गयी थी। एक फाइव स्टार होटल में ठहरे। वहीं डांसर ने राज्यपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के अलावा नवान्न से संपर्क कि। डांसर के आवेदन के आधार पर नबान्न ने कोलकाता पुलिस को प्रारंभिक जांच करने का आदेश दिया। लालबाजार ने जांच के बाद मंगलवार को नबान्न को रिपोर्ट सौंपी। राजभवन में एक अस्थायी महिला कर्मचारी से कथित तौर पर छेड़छाड़ के मामले में राज्यपाल पहले ही आलोचनाओं के घेरे में आ चुके हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री खुद चिंता जता चुके हैं। महिला की शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाना पुलिस भी जांच कर रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने के आधार पर प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है। राजभवन के 6 कर्मचारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। लेकिन पुलिस सूत्रों के मुताबिक वे कई बार हाजिरी से बच चुके हैं। इस बीच, नबान्न ने राज्यपाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न का एक और आरोप लगाया। हालांकि, पुलिस या नवान्न ने अभी तक इस मामले पर अपना मुंह नहीं खोला है।

चंपारण में महागठबंधन के पक्ष में चल रहा है अंडर करंट : युवा कांग्रेस

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता डोर टू डोर कैपेन के साथ सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधि को केन्द्रित करे। उक्त बाते अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व बिहार प्रभारी राजेश कुमार सन्नी ने मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बंजरिया पंडाल में युवा कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 10 साल से लगातार झूठे वायदे और विज्ञापन के बलबूते मोदी सरकार से जनता तंग हो चुकी है। महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्रस्त है। पीएम मोदी लगातार जनता की भावनाओ को भड़का कर चंद पूंजीपतियो के चंदा से तानाशाह बन गये है। संविधान खतरे में है। मोदी सरकार ने कांग्रेस शासन में खड़ी की संस्थाओ को अपने चहेते पूंजीपति को बेच रहे है। उन्होने युवा कार्यकर्त्ताओं को पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के साथ शिवहर लोकसभा क्षेत्र में महागठबंधन के पक्ष में मजबूती से जुटने का आह्वान करते कहा कि बेतिया से मदन मोहन तिवारी,मोतिहारी से राजेश कुशवाहा व शिवहर से रितु जयसवाल बेदाग छवि के उम्मीदवार है,जबकि इन तीनो लोकसभा में एनडीए के उम्मीदवार को लोग परख चुके है।इन लोगो ने जनता की अपेक्षा का अनादर किया है। इसके पूर्व कांग्रेस नेता सन्नी ने बनकटवा प्रखंड के बिजबनी सहित कई गांवो में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर लोगो से कांग्रेस के पक्ष वोट देने का आह्वान किया और कहा कि वोटर कांग्रेस प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के पक्ष में काफी उत्साहित है,जनता में अंडर करंट चल रहा है,जबकि उनके सामने खड़े एनडीए प्रत्याशी संजय जयसवाल और उनके पिता मदन जयसवाल को लोग देख चुके है। मौके पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव,युवा कांग्रेस के प्रीतम अग्रवाल, अभिषेक रंजन, शिव पुजारी, आनंद कौशल, बिनय यादव, निशिकांत सिंह,मो. आमिर,एनएसयूआई नेता आशीष कुमार, प्रिंस मिश्रा, मोहमद एकराम, मनीष मिश्रा,मनीष रेड्डी, मोहमद सद्दाम, राकेश यादव, मोहमद जमाल, अखिलेश यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

डंपर पलटने से चालक की मौत

दुर्गापुर (बर्दवान)। पश्चिम बर्दवान जिले के अंडाल के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर राख से लदा डंपर पलटने से एक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। इस घटना के कारण नेशनल हाईवे की सर्विस रोड जाम हो गई। मृत चालक का नाम तापस बाउरी (32) है। वह आसनसोल के कुनुसत्तारिया का निवासी था। मंगलवार दोपहर अंडाल स्थित दामोदर वैली कॉरपोरेशन से राख से लदा डंपर रानीगंज की ओर जा रहा था। अंडाल के कजोरा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर फ्लाईओवर पर चढ़ने के दौरान डंपर का पहिया फट गया। इस वजह से डंपर अनियंत्रित होकर गार्डवाल से टकराकर राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर जा गिरा। इस घटना में ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना अंडाल थाने की पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया है।

केविवि में ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल पर कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा "ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल" विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे, जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। कार्यशाला में बाल और बंधुआ मजदूरी पर केंद्रित ऑस्कर नॉमिनेटेड और अवार्ड विनिंग चार महत्वपूर्ण फिल्मों कवि,बत्ती,रूपा और जीरो का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला में स्वागत भाषण देते डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण होती है। फिल्मों की गहरी और सूक्ष्म समझ विकसित करना फिल्म अध्येता और जागरूक दर्शक की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। फिल्म के हर एक दृश्य में एक संदेश छुपा होता है। फिल्में सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि लोगों को प्रेरित और शिक्षित भी करती है। विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर सुनील दीपक घोडके द्वारा "कवि और "बत्ती" फिल्मों के बारे में छात्रों को बताया की फिल्म में दर्शाए गए दृश्य अद्भुत है। जो हमे कई ज्ञान भी दी है। छात्रा वागीशा श्रीवास्तव द्वारा बाल मजदूरी पर आधारित फिल्म "कवि" की प्रस्तुति की गई जो एक ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म है। फिल्म में एक बालक को दशार्या गया है जो अपने घर की परिस्थितियों और परेशानियों की वजह से बाल मजदूरी करता है और उसे यह कहा जाता है कि शिक्षा पर सिर्फ अमीरों और बड़े घर के बच्चों का हक होता है।

निवेश

ग्रिप इन्वेस्ट की रिपोर्ट ने बताया

आंशिक निवेश में 60 फीसदी हिस्सेदारी के साथ युवा सबसे आगे

60 फीसदी निवेश 40 से कम उम्र के निवेशकों द्वारा दिए गए हैं 50 फीसदी निवेशकों ने 3 महीने के अंदर अपना दूसरा ऑर्डर प्लेस किया ।

संवाददाता

कोलकाता। निवेश पर अच्छी रिटर्न देने वाले प्रमुख प्लेटफॉर्म ग्रिप इन्वेस्ट ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट ह्यग्रिपिंग द बूमः मिलेनियल्स इन फ्रैक्शनल इन्वेस्टिंग के माध्यम से निवेशकों में आए जनरेशन के बदलते रूझानों पर रोशनी डाली। यह रिपोर्ट निवेश की 150 वर्ष पुरानी अवधारणा में फ्रैक्शनलाइजेशन की बदलावकारी क्षमता को दशार्ती है, जिसे आज के डिजिटल दौर ने नया आयाम दिया है। बीएसई के अनुसार पिछले 2 सालों में आरएफक्यू के माध्यम से कुल रीटेल बॉण्ड वॉल्युम में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है, वहीं ग्रिप इन्वेस्ट की रिपोर्ट इस बात का विश्लेषण करती है कि किस तरह से निवेश के विकल्पों में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। फिक्स्ड-इंकम और हाई-यील्ड असेट्स में निवेशकों की भागीदारी, जो पहले रीटेल निवेशकों की पहुंच से बाहर थी, को बढ़ाने पर जोर देते हुए सेबी ने अप्रैल 2024 में बॉण्ड्स की फेस वैल्यू को रु 1,00,000 से कम कर रु 10,000 कर दिया है। भारतीय निवेशकों का युवा वर्ग निवेश के जोखिम-समायोजित वैकल्पिक असेट्स की ओर रूख कर रहा है, ऐसे में यह रिपोर्ट वैकल्पिक निवेश के न्यूनतम टिकट साइज को कम करने के लिए सकारात्मक विनियामक विकास के प्रभावों पर रोशनी डालती है। पिछले दो सालों के दौरान निवेश के वैकल्पिक तरीकों ने नए निवेशकों को लुभाया है, जिसके चलते ये युवाओं के लिए निवेश का पसंदीदा तरीका बन गए हैं। यह पीढ़ी जोखिम-प्रतिकूल दृष्टिकोण के बजाए निवेश के लिए जोखिम-समायोजित विकल्प को चुनना पसंद करती है। रिपोर्ट के अनुसार दो-तिहाई निवेशक युवा हैं और 76.8 फीसदी यूजर अपने लिए आंशिक निवेश का सही विकल्प चुनने के लिए डीआईवाय (डू-इट-यॉरसेल्फ) तरीका अपनाते हैं। निवेश में आए पीढ़ीगत बदलावों के बारे में इस रिपोर्ट के अन्य परिणाम इस तरह हैं:

60 फीसदी ऑर्डर 40 से कम उम्र के निवेशकों द्वारा दिए गए हैं।

10 में से 9 यूजर अपनी व्यक्तिगत रीसर्च के आधार पर ही फैसला लेते हैं।

यहां तक कि 21 वर्ष के युवा भी आंशिक हाई-यील्ड (ज्यादा रिटर्न देने वाली) असेट्स को चुन रहे हैं। निवेश में युवाओं का योगदान 65 फीसदी है, वहीं 20 फीसदी निवेश जनरेशन एक्स के द्वारा किया जाता है। भारत में युवा अक्सर निवेश करते समय सतर्कता और उत्सुकता का संयोजन दिखाते हैं। पूरी निगरानी के बावजूद, ग्रिप इन्वेस्ट प्लेटफॉर्म पर निवेश का औसत मूल्य रु 1 लाख से अधिक है। इसके अलावा उपभोक्ताओं के द्वारा निवेश के लिए प्लेटफॉर्म को दोहराया जाना उनके बढ़ते भरोसे को दिखाता है, इनमें से आधे यूजर्स ने 3 महीने के अंदर अपना दूसरा ऑर्डर प्लेस किया है।

शिशु भारती स्कूल के बच्चों ने 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षा में लहराया परचम

एजेंसी

फारबिसगंज/अररिया। सीबीएसई (10वीं) और सीबीएसई (12वीं) का परिणाम घोषित हो गया। फारबिसगंज के शिशु भारती 10 वीं के कुल 80 छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। जिसमें 10वीं कि छात्रा अनुष्का गुप्ता ने 95 प्रतिशत अंक के साथ टॉप किया है। इसके अलावा तन्नुश्री 94 फीसदी, दर्शिता समदरिया 94 प्रतिशत, प्रणव कुमार 93.4 फीसदी, शिवम अग्रवाल 92 फीसदी, शिवानी कुमारी 90 प्रतिशत, अरिहंत डागा 90 प्रतिशत, संजीता दास 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय के साथ साथ शहर व परिजनों का भी मान बढ़ाया है। दिलचस्प बात यह है कि शिशु भारती के 12 बच्चे 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वहीं 14 बच्चे 80 प्रतिशत और 50 बच्चे 60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफल हुए है । सफल बच्चों को विद्यालय के सचिव हरिहर बायंवाला और ललिता बायंवाला ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के निर्देशक कुणाल केडिया ने बच्चों एवं परिजनों को भी सम्मानित किया साथ उज्जवल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के एचएम शशिकांत देव, उप प्राचार्य मोहन साहू, सह शिक्षक एसएन झा, खुशी सरकार, रमेश झा, अजय झा, आदित्य कुमार, अन्नुरंजन कुमार, अनीता बायंवाला, कृष्णा मालाकार सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

एक नजर

नेपाल : राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करेंगे विपक्षी दल

काठमांडू। नेपाल की संसद में आज राष्ट्रपति का अभिभाषण होने वाला है। राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सदन को सम्बोधित करते हुए सरकार की नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले हैं। पिछले कई दिनों से सदन को अवरुद्ध करते आ रहे विपक्षी दलों ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करने का फैसला किया है। मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड ने विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत में उन्हें सहकारी मामले में जांच समिति बनाए जाने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री से बातचीत के बाद प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध नहीं करने का फैसला किया गया है। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक के बाद प्रमुख सचेतक रमेश लेखक ने कहा कि सहकारी घोटाले पर संयुक्त संसदीय जांच समिति की मांग पर वो अभी भी कायम हैं।

अब एकीकृत समाजवादी पार्टी ने भी नेपाल सरकार से समर्थन वापस लेने का संकेत दिया

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन में असंतोष बढ़ता जा रहा है। सरकार के घटक दल ही इस गठबंधन के बारे में विरोधी बयान देने लगे हैं। अभी हाल ही में एक सत्तारूढ़ दल का विभाजन होने के बाद अब दूसरे एकीकृत समाजवादी पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस लेने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व में वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रमुख घटक दल एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने कहा है कि गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के केन्द्रीय कमेटी की बैठक में माधव नेपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रचंड और केपी शर्मा ओली की तरफ से गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया जा रहा है।

पंजे के शिकंजे में फंस गई साइकिल : केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्य विपक्षी पार्टी सपा पर कटाक्ष किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा कि यूपी में साइकिल पंजे के शिकंजे में फंस गई है। कमल का फूल चारों तरफ खिल रहा है। आरक्षण के मुद्दे पर लिखा कि दलित, आदिवासी और पिछड़े को दिया आरक्षण कोई छीन नहीं सकता। यह मोदी की गारंटी है। 2047 तक देश और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार ही रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में एक ओर भ्रष्टाचारी इंडी अलायंस है और दूसरी तरफ जनता की सेवा कर रहे पीएम मोदी हैं। सर्कस अलायंस पीएम मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता। फर्क साफ है, पहले आतंकी सीमा में घुस कर हमले करते थे, आज हम आतंकियों के घर में घुस कर मारते हैं।

सरोज यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की सुलतानपुर हाईवे जाम करने की कोशिश

लखनऊ। लखनऊ में गोसाईगंज के चांद सराय ग्रामीण क्षेत्र में सरोज इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, लखनऊ इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी के छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर मनमानी फीस वसूलने का आरोप लगाया। विवि प्रशासन से आक्रोशित छात्रों ने सुलतानपुर हाईवे को जाम करने की कोशिश की। हाईवे पर पहुंचे छात्रों को पुलिस ने काफी समझाया। करीब आधे घंटे के बाद छात्र विरोध प्रदर्शन से पीछे हट गए। आक्रोशित छात्रों ने कहा कि उन्होंने यूनिवर्सिटी में पहले फीस जमा की और बाद में यूनिवर्सिटी प्रशासन अपनी मनमानी में अधिक फीस वसूलने का प्रयास कर रहा है।

असलहा फैक्ट्री का भण्डाफोड़, एक गिरफ्तार

मीरजापुर। चुनार पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत दुगार्जी मोड़ स्थित जंगल में मंगलवार को अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री पकड़ी। मौके से शस्त्र निर्माण में प्रयुक्त उपकरण, तमंचा समेत एक आरोपित को गिरफ्तार किया। चुनार पुलिस टीम ने दुगार्जी मोड़ से सक्तेशगढ़ जाने वाले मार्ग के जंगल में बने एक कमरे से असलहा निर्माण में संलिप्त शनि सोनकर को गिरफ्तार किया। मौके से शस्त्र निर्माण के लिए बनी भट्ठी, लोहे की आरी, पेचकस, हथौड़ी, छेनी, प्लास, लोहे की छोटी-बड़ी पांच नाल, दो लोहे की पाइप, 20 स्क्रू, तीन स्प्रिंग, सडसी, लोहे की फूकनी, लोहे का गुटका व टार्च सहित अन्य सामाग्री समेत आरोपित शनि के पास से तीन तमंचा 315 बोर बरामद किया।

आठ ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कुल्लू। थाना कुल्लू के अंतर्गत पुलिस ने हेरोइन तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पुलिस द्वारा पूरी की जा रही है। नशा तस्करी का मामला सोमवार देर शाम उस दौरान सामने आया जब पुलिस दल कुल्लू मुख्यालय स्थित गौड़ निवास के समीप गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को दबोच लिया जिसके कब्जे से पुलिस ने 8 ग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस अधीक्षक डॉ कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी खूब राम पुत्र चेत राम निवासी गांव कतमोरी डाकघर उर्दू तहसील निरमंड जिला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मोबाइल शॉप में हुई चोरी की घटना में एक गिरफ्तार

हरिद्वार। मोबाइल की दुकान में सेंधमारी कर महंगे मोबाइल चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित के पास से 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरोपित का सम्बन्धित धाराओं में चालान कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मयंक लाल पुत्र रामचंद्र निवास कस्तूरी एनक्लेव जमालपुर कलां कनखल ने अपनी तहरीर में पुलिस को बताया कि उसकी रानीपुर मोड़ ज्वालापुर स्थित मोबाइल फोन की दुकान है।

वाराणसी से लगातार तीसरी बार नामांकन कर बेहद उत्साहित हूं: मोदी

- क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है
- ऐतिहासिक सीट के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात है

वाराणसी। एजेंसी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इससे जुड़ी तस्वीरों को साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "काशी के मेरे परिजनों का हृदय से आभार! वाराणसी से लगातार तीसरी बार नामांकन कर बेहद उत्साहित हूं। बीते 10 वर्षों में आप सबसे जो अद्भुत स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने मुझे निरंतर सेवाभाव और पूरे संकल्प के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया है। आपके भरपूर समर्थन और सहभागिता से मैं अपने तीसरे टर्म में भी नई ऊर्जा-शक्ति के साथ यहां के चौतरफा विकास और जनता-जनार्दन के कल्याण में जुटा रहूंगा। जय बाबा विश्वनाथ!"

प्रधानमंत्री ने नामांकन में आए सहयोगी दलों के नेताओं का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि आज काशी में हमारे मूल्यवान एनडीए सहयोगियों की उपस्थिति से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।

हम आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति के लिए मिलकर काम करेंगे। इस ऐतिहासिक सीट के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात है। जनता के आशीर्वाद से पिछले दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। आने वाले समय में काम की यह गति और भी तेज होगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा काशी के कोतवाल' श्री काल भैरव जी के मंदिर में दर्शन-पूजन का सौभाग्य मिला। उनके आशीर्वाद से देशभर के मेरे परिवारजनों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है। काशी में मां गंगा के चरणों में वंदन के साथ आज मेरे दिन का शुभारंभ हुआ। उनके दर्शन और पूजन से बड़ा सौभाग्य मेरे लिए और क्या हो सकता है! मां गंगा से मैंने अपने काशीवासियों के साथ ही देशभर के परिवारजनों के लिए सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की।

हिमाचल सहित पूरे देश में गिर रहा कांग्रेस का ग्राफ : राजीव बिंदल

शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल ने कहा कि पूरे भारत में और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का ग्राफ तेज गति से गिर रहा है। कांग्रेस पार्टी के देशभक्त नेता एक-एक करके कांग्रेस पार्टी को छोड़ते चले गए। मोरार जी देसाई, कामराज, चंद्रशेखर के समय से शुरू हुआ यह क्रम गुलाम नबी आजाद तक पहुंच गया और कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी के परिवार की पार्टी बन कर रह गई है। 500 सांसदों वाली पार्टी 50 सांसदों वाली बन गई और चार जून को 50 से भी नीचे चली जाएगी। राजीव बिन्दल ने मंगलवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के हाल भी ऐसे ही हैं। कांग्रेस के कद्दावर नेता पं0 सुखराम के बेटे अनिल शर्मा, स्व0 संतराम के बेटे सुधीर शर्मा, लता ठाकुर के बेटे रवि ठाकुर, विधान सभा अध्यक्ष रहे गंगुराम मुसाफिर, चार बार के विधायक लखनपाल, राजेन्द्र राणा से चलता हुआ यह क्रम पूर्व विधायक सुभाष मंगलेट तक पहुंच चुका है।

जनता फिर से रिकॉर्ड मार्जिन के साथ जीत का आशीर्वाद देगी : अमित शाह

- देश में विश्वस्तरीय विकास करने के साथ-साथ भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को भी संवारा है

नई दिल्ली। एजेंसी

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन पर बधाई दी और कहा कि इस बार फिर जनता रिकॉर्ड मार्जिन के साथ जीत का आशीर्वाद देगी। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारतीय संस्कृति का केंद्र, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से लगातार तीसरी बार नामांकन करने पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी ने न केवल काशी बल्कि पूरे देश में विश्वस्तरीय विकास करने के साथ-साथ भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को भी संवारा है। शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास और गौरव की यात्रा यूं ही अनवरत जारी रहे, बाबा विश्वनाथ और गंगा मैया से यही प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस बार फिर काशी की जनता रिकॉर्ड मार्जिन के साथ मोदी को जीत का आशीर्वाद देगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। वाराणसी सीट पर सातवें एवं अंतिम चरण में एक जून को मतदान होगा।

विकास के नाम पर भाजपा ने धोखा किया : नवीन

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री नवीन जोशी ने कहा कि भाजपा शासन काल में विकास के नाम पर जनता के साथ धोखा किया गया। जोशी ने मंगलवार को जनसंवाद कार्यक्रम के तहत धर्मपुर विधानसभा के अन्तर्गत वार्ड 89 तेलपुर/हरबंसवाला में खस्ताहाल पडी सड़कों को भाजपा मेयर को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता और मेयर सत्ता की चकाचौंध में इतने अन्धे हो गये हैं कि उन्हें जनता से किए वादे याद नही रहे। भाजपा के क्षेत्रीय नेता एवं मेयर ने कभी भी यहां के क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गम्भीरता से नही लिया और न ही टीस्टेट की एनओसी के लिए कोई प्रयास किया। इस कारण राजधानी देहरादून से मात्र 10 किमी दूर यहां की सड़क का निर्माण नही हो पाया है। इस अवसर प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल, राम बाबू, आशीष कुमार, मुर्रसलीम रहमान, अजय कुमार, फैरलीन पतरश, कृष्ण कुमार, पंकज कुमार, सैफ अली, जय किशोर, गीता, पर्वतरा, उषा देवी, चम्पा देवी, मलिक कुमार, आशीष कुमार, राम बाबु आदि ने भी अपने विचार रखे।

सत्ता का दुरुपयोग कर रही है भाजपा : सचिन पायलट

रायबरेली। एजेंसी

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि बीजेपी सत्ता का खूब दुरुपयोग कर रही है,जिसके लिए यहां सिंगल और डबल इंजन दोनों लगाए गए हैं। सभी तरह के संसाधनों का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन कुछ भी काम नहीं कर रहा है, लोग पहले ही मन बना चुके हैं। यह बातें पायलट मंगलवार को राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित जनसभा के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि रायबरेली का यह चुनाव धर्म और बिरादरी से आगे जा चुका है। यह अब भविष्य का चुनाव है और रायबरेली के लोग राहुल गांधी को आशीर्वाद देने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि रायबरेली की जनता 20 मई को राहुल गांधी को भारी मतों से जिताएगी।

सचिन पायलट ने कहा कि रायबरेली में एकतरफा चुनाव है,यहां से राहुल गांधी रिकॉर्ड मतों से जीत कर आएंगे। रायबरेली की जनता राहुल गांधी को जिताना चाहती है।

सचिन पायलट के अनुसार राहुल गांधी के चुनाव लड़ने से न केवल रायबरेली में बल्कि पूरे प्रदेश में इंडी गठबंधन को मजबूती मिल रही है। रायबरेली के लोग यहां मन बना कर बैठे हैं कि राहुल गांधी को जिताना है और पूरे देश की निगाह इस चुनाव पर है इसके पहले सचिन पायलट ने कई नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित किया और गावों में जाकर जनसंपर्क किया। उनके साथ राजस्थान से आये कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मोदी को तीसरी बार भी प्रधानमंत्री देखना चाहती है जनता: कंवर पाल

यमुनानगर। एजेंसी

जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जगाधरी शहर में दर्जन भर कालोनियों में नुक्कड़ सभाएं कर सोमवार रात तक कृषि मंत्री कंवर पाल ने अम्बाला लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया के लिए वोट की अपील की। कृषि ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया एक निष्ठावान, ऊर्जावान एवं मेहनती महिला नेत्री हैं। इस क्षेत्र से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने बंतो कटारिया के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक सशक्त घर का सपना साकार किया है।

करोड़ों बीपीएल घरों में रसोई गैस के निशुल्क कनेक्शन देकर महिलाओं को जहरीले धुएं से मुक्ति दिलवाई गई है। पंचायती राज संस्थाओं में हरियाणा में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। तीन तलाक का कानून समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं पर होने वाले शोषण को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाया गया है। राम मंदिर का निर्माण कर देश के करोड़ों लोगों को दिव्य अनुभूति दी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व भर में भारत की एक पहचान स्थापित हुई है। देश आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 करोड़ घरों में स्वच्छ जल पहुंचाया है तो 1 करोड़ लखपति ड्रोन दीदी बनाकर एक नई इबारत लिखी है। आने वाले 5 वर्षों में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इसी का परिणाम है कि समाज का हर वर्ग नरेन्द्र मोदी को 400 पार के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुका है।

कांग्रेस प्रदेश सरकार पार्ट वन ही पूरा नहीं कर पाएगी : अनुराग

धर्मशाला। एजेंसी

केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला में भाजपा प्रत्याशी सुधीर शर्मा की ऐतिहासिक जीत होगी उन्होंने कहा कि जिस तरह से कार्यकताओं में उनके प्रत्याशी बनने के बाद जोश है उससे यह तय है कि इन चुनाव में सबसे बड़े अंतर से सुधीर शर्मा जीत दर्ज करने वाले हैं। उन्होंने यह दावा मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी सुधीर शर्मा के नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में डबल कमल खिलेगा इसका उन्हें पूरा यकीन है। अनुराग ने कहा कि जिस तरह से आईपीएल में छक्के चौकों की बरसात होती है इस तरह इस चुनाव में भी लोकसभा के चुनाव में चौका लगेगा और विधानसभा के चुनाव में जीत का छक्का लगने वाला है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब सुधीर शर्मा ने धर्मशाला से पहला चुनाव लड़ा था तब पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल चाहते थे कि सुधीर शर्मा भाजपा से चुनाव लड़े। हालांकि उसे समय यह सब नहीं हो पाया लेकिन अब वह भाजपा के प्रत्याशी हैं और एक बड़ी जीत उनकी धर्मशाला से होने वाली है। एक सवाल के जवाब में अनुराग ठाकुर ने कहा कि वर्तमान सरकार पार्ट वन ही पूरा कर ले यह बड़ी बात है क्योंकि कई बार पिक्चर ऐसी फ्लॉप होती है कि लोग इंटरवल में ही बाहर चले जाते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला में सुधीर की जीत के बाद वह मिलकर स्मार्ट सिटी के सपने को पूरा करेंगे। वहीं भाजपा प्रत्याशी सुधीर शर्मा ने कहा कि धर्मशाला के इतिहास में विधानसभा के चुनाव में इस बार उनकी रिकॉर्ड मतों से जीत होने वाली है।

उन्होंने कहा कि कार्यकताओं में पूरा जोश है और वह पूरे तन मन से उनकी जीत को आश्वस्त करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर के उनके नामांकन में आना उनके लिए खुशी की बात है। धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम से लेकर अन्य तरह के विकास कार्य में अनुराग ठाकुर का भी एक महत्वपूर्ण रोल रहा है।

सुशील मोदी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर दुःखद व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा परिवार और संगठन के लिए यह अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि गरीबों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समर्पित जीवन आपका, हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से इस संकट की घड़ी में शोक संतप्त परिजनों और समर्थकों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

स्वास्थ्य

पूर्व सैनिकों को सीमा के नजदीक फलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा

चीन सीमा पर खोले जाएंगे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र

- सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में जन औषधि केन्द्रों से पूर्व सैनिकों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करेगी, जिनका संचालन पूर्व सैनिक करेंगे। इसी सिलसिले में भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने चीन सीमा पर सिक्किम से लगे क्षेत्रों का दौरा करके पूर्व सैनिकों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले को पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सुविधा को और अधिक मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा ने सोमवार भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के आउटरीच कार्यक्रम 'समाधान अभियान' के एक हिस्से के तहत सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। राज्य सैनिक बोर्ड और जिला सैनिक बोर्डों को पूरे क्षेत्र में सामान्य सेवा केंद्र और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। डॉ. नितेन चंद्रा ने बताया कि सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में खुलने वाले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का संचालन पूर्व सैनिक करेंगे।

इस बैठक के दौरान चर्चा की गई कि राज्य बागवानी विभाग की सहायता से पूर्व सैनिकों के सहकारी समूहों को क्षेत्र में एवोकाडो, संतरे, कीवी और फलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। महानिदेशक मेजर जनरल एसबीके सिंह ने पूर्व सैनिकों के कौशल व दक्षताओं को बढ़ाने और उनके पुनर्वास के लिए उद्यमिता मॉडल के लिए उपलब्ध विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव ने भारतीय सेना के 17 माउंट डिवीजन का दौरा किया और जीओसी मेजर जनरल अमित कबथियाल ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सचिव ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक, स्पर्श सुविधा केंद्र व सेवानिवृत्त सैनिक सुविधा केंद्र सहित विभिन्न रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा करके उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

पीओके में लगातार बढ़ती महंगाई से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर

इस्लामाबाद। एजेंसी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लगातार बढ़ती महंगाई से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर हिंसक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटनाक्रम ने शहबाज शरीफ सरकार को घुटनों पर ला दिया है। सरकार ने पीओके के लिए तत्काल 23 अरब रुपये का बजट मंजूर किया और स्थानीय सरकार ने बिजली दरों व ब्रेड की कीमतों में कटौती की घोषणा की लेकिन ये घोषणाएं अबतक लोगों का गुस्सा शांत नहीं कर पाई हैं।

पीओके में अभी भी स्थिति तनावपूर्ण है। शुक्रवार से इस क्षेत्र में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एक दिन पूर्व सोमवार को चौथे दिन भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की खबरें हैं। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ टकराव में अबतक मरने वालों की संख्या तीन हो गई है।

जिनमें दो प्रदर्शनकारी और एक एसआई शामिल है। रविवार को झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। दरअसल, जरूरी चीजों के दाम बढ़ने और टैक्स में बढ़ोतरी के खिलाफ पीओके में 10 मई से सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारियों और वकीलों द्वारा गठित संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने राजधानी मुजफ्फराबाद मार्च करने का आह्वान किया। सोमवार को भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मुजफ्फराबाद की ओर लॉन्ग मार्च जारी रखा।

एक नजर

इटालियन ओपन : दूसरे दौर में हारी रोहन बोप्पना-मैथ्यू एबडेन की जोड़ी

रोम। रोहन बोप्पना और मैथ्यू एबडेन की इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी बोप्पना और एबडेन को घरेलू पसंदीदा सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावास्सोरी ने सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। रोहन बोप्पना और मैथ्यू एबडेन क्ले कोर्ट पर अपनी लय हासिल करने में असमर्थ रहे हैं और जैसे-जैसे फ्रेंच ओपन नजदीक आ रहा है, उनका संघर्ष चिंता का कारण बनता जा रहा है। इस जोड़ी ने सीजन की जोरदार शुरूआत की और हार्ड कोर्ट पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और मियामी ओपन खिताब जीते।
हालाँकि, ऐसा लगता है कि उनकी टीम वर्क क्ले पर लड़खड़ा गई है। वे लगातार जीत दर्ज करने में सफल नहीं हो सके हैं। क्ले कोर्ट टेनिस के शिखर फ्रेंच ओपन के साथ, बोपन्ना और एबडेन को जल्दी से लाल मिट्टी पर अपना पैर जमाना होगा क्योंकि सीजन का दूसरा ग्रैंड स्लैम ओपन टूर्नामेंट 20 मई से शुरू हो रहा है।

एलोर्डा कप मुक्केबाजी: गौरव चौहान सेमीफाइनल में, शिव थापा बाहर

अस्ताना। भारतीय मुक्केबाज गौरव चौहान ने मंगलवार को यहां एलोर्डा कप 2024 के दूसरे दिन कजाकिस्तान के डेनियल सपरबे पर 3-2 की कड़ी जीत के साथ पुरुषों के 92 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी के साथ उन्होंने एक पदक पक्का किया। इस बीच, छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा 63.5 किग्रा वर्ग के मुकाबले में कजाकिस्तान के अब्दुलअली अलमत के खिलाफ 1-4 से हार गए। संजय (80 किग्रा) भी मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चीन के तुओहेटेरबीके तंगलातिहान के खिलाफ 0-5 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। मनीषा (60 किग्रा), मोनिका (81 किग्रा) और लालफाकमावी राल्टे (81 किग्रा) मंगलवार को अपने मुकाबले लड़ेंगी। 81 किग्रा वर्ग में कम प्रविष्टियों के कारण राल्टे को 81 किग्रा में शामिल किया गया है। बुधवार को पांच भारतीय मुक्केबाज एक्शन में होंगे, जिनमें पवन बर्तवाल (54 किग्रा), कविंदर सिंह बिष्ट (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), अभिषेक यादव (67 किग्रा) और हितेश (71 किग्रा) शामिल हैं, जो अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेलेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी है, जिसमें कजाकिस्तान, चीन, भारत, जापान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों के मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। फाइनल शनिवार को खेला जाएगा।

मनु और विजयवीर ने चौथा और अंतिम 25 मीटर ओलंपिक चयन ट्रायल जीता

- सिमरनप्रीत ने अंतिम उपलब्ध पोडियम प्वाइंट हासिल किया
- ईशा सिंह और रिदम सांगवान क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली/भोपाल। एजेंसी
टोक्यो ओलंपियन मनु भाकर और पेरिस कोटा धारक विजयवीर सिद्धू ने यहां आज एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी (एमपीएसएसए) की रेंज में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथा और अंतिम ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) जीता। मनु ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ओएसटी टी4 फाइनल में 42 के स्कोर के साथ विश्व-रिकॉर्ड की बराबरी की, जबकि विजयवीर ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) ओएसटी टी4 के निर्णायक में 34 का स्कोर बनाया और विजयी हुए।
मनु ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने दो में जीत हासिल की और अन्य दो में दूसरे स्थान पर रहीं। चयनित पांच में से वह एकमात्र निशानेबाज थीं, जो क्वालिफिकेशन राउंड में एक बार भी 580 से नीचे नहीं गईं। अभिदन्या पाटिल (35) दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (30) ने अंतिम उपलब्ध पोडियम प्वाइंट हासिल किया। ईशा सिंह और रिदम सांगवान क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं।
पुरुषों के आरएफपी फाइनल में, विजयवीर ने दूसरी पांच-शॉट श्रृंखला के बाद बढ़त ली और आठवीं और अंतिम श्रृंखला तक कायम रहकर ट्रायल में अपनी पहली स्पष्ट जीत दर्ज की। अनीश 30 के साथ दूसरे जबकि आदर्श सिंह 25 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अंकुर गोयल (20) और भावेश शेखावत (18) ने मामूली स्थान हासिल किया।
हालाँकि, अनीश इस स्पर्धा में पाँचों में से सबसे सफल रहे, उन्होंने कुछ ट्रायल जीते और अन्य दो में दूसरे स्थान पर रहे। भावेश शेखावत ने दूसरा ट्रायल जीता था। दूसरी ओर विजयवीर इससे पहले के तीन ट्रायल में दो बार दूसरे स्थान पर आए थे। बुधवार को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी पुरुषों और महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड खेले जाएंगे, जिसमें स्थानीय उम्मीदें ऐश्वर्या तोमर और आशी चौकसे भाग लेने के लिए तैयार हैं।

इक्कीस दिवसीय ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय सोरांव यूथ क्लब के ग्राउंड पर 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ मंगलवार को हुआ। जिसका उद्घाटन पंजाब पुलिस के पूर्व महानिदेशक ए.पी पांडेय ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई देते हुए कहा कि बच्चे इन कुशल प्रशिक्षकों की देख-रेख में खेल के गुण व बारीकियां सीखकर अपने जिला व राज्य का नाम रोशन करेंगे। समारोह सोरांव यूथ क्लब के अध्यक्ष राहुल द्विवेदी की अध्यक्षता में हुआ। वॉलीबाल खेल के एफ.आई.वी.बी.लेवल-1 के कोच मुकेश शुक्ला एवं प्रशिक्षक गणेश शंकर ने मुख्य अतिथि को प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले चयनित खिलाड़ियों से परिचय करवाया। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।

बीसीसीआई ने पुरुष टीम के मुख्य कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किया

नई दिल्ली। एजेंसी
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार देर रात पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किया है, जिसका कार्यकाल इस साल 1 जुलाई से शुरू होगा और 31 दिसंबर, 2027 को समाप्त होगा। 2027 में ही एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन होना है।
पिछले साल नवंबर में फाइनल में पहुंचने के बाद भारत घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप नहीं जीत सका था। वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को इस वर्ष जून तक विस्तार दिया गया था। बता दें कि वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 से 29 जून तक आईसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 27 मई शाम 6 बजे तक होगी। बीसीसीआई के एक बयान में कहा गया, ₹बीसीसीआई ने सोमवार को सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद के लिए आवेदन 27 मई, 2024 को शाम 6 बजे तक जमा किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया में आवेदनों की गहन समीक्षा, उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का मूल्यांकन शामिल होगा।
बीसीसीआई ने संभावित मुख्य कोच के लिए जो योग्यताएं निर्धारित की हैं,वो इस प्रकार हैं:-
1- कम से कम 30 टेस्ट मैच या 50 एकदिवसीय मैच खेले हों या कम से कम 2 साल की अवधि के लिए पूर्ण सदस्य टेस्ट खेलने वाले देश का मुख्य कोच हों;
2- किसी एसोसिएट सदस्य/इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम या समकक्ष अंतरराष्ट्रीय लीग/प्रथम श्रेणी टीम/ या न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रीय ए टीमों का मुख्य कोच होना चाहिए।
3- उसके पास बीसीसीआई लेवल 3 प्रमाणन या समकक्ष होना चाहिए; और आयु 60 वर्ष से कम होनी चाहिए।

दीपाली बनी अंडर-14 की राष्ट्रीय चैंपियन

नैनीताल। उत्तराखंड नैनीताल की युवा बॉक्सर दीपाली ने एक और कमाल का प्रदर्शन करते हुये नोएडा उत्तर प्रदेश में अयोजित राष्ट्रीय अंडर-14 बॉक्सिंग चैंपियनशिप के बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन 13 से 27 मई 2024 तक बेंगलुरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय प्रशिक्षण के साथ ही आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट पुणे महाराष्ट्र के लिए भी हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि यहां अपेक्षित प्रदर्शन कर वह देश की टीम में शामिल का गौरव भी प्राप्त करेंगी। उल्लेखनीय है कि नगर के स्नो व्यू निवासी वन विभाग में कार्यरत रणजीत सिंह की पुत्री दीपाली पिछले दिनों बर्फबारी के दौरान बॉक्सिंग की प्रैक्टिस करने के लिये चर्चा में आयी थी। उन्होंने 2019 से मुकर्जी निर्वाण व अजय कुमार से बॉक्सिंग की बारीकियां सीखी हैं। वर्तमान में वह एनसीएस बॉक्सिंग एकेडमी से बॉक्सिंग का प्रशिक्षण ले रही हैं।

एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

मुरादाबाद : ब्राइटलैंड, महाराजा, द आर्यन जोया की टीमें जीतीं

प्रतियोगिता में मुरादाबाद मंडल की 16 टीमों कर रही हैं प्रतिभाग

मुरादाबाद। एजेंसी
दिल्ली रोड स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल में छह दिवासीय एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। यह टूर्नामेंट 14 मई से 19 मई तक आयोजित होगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ स्कूल के प्रबंधक साउद आलम व प्रधानाचार्य शकील अहमद द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद मंडल की 16 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बोनी एनी पब्लिक स्कूल, श्री सत्य साई माडल स्कूल, आर्यस इंटरनेशनल स्कूल, वीकेएस पब्लिक स्कूल, सेंट मीरा पब्लिक स्कूल, विल्सोनिया स्कॉलर होम, ब्राइटलैंड पब्लिक स्कूल, शिरडी साई पब्लिक स्कूल, सेंट पोल्स कॉलेज, महाराजा अग्रसेन स्कूल, एल.एस.ए, अमरोहा, सीएनएस एकेडमी, गांधी नगर पब्लिक स्कूल, द आर्यास स्कूल जोया आदि टीमों ने प्रतिभाग किया।
प्रतियोगिता के पहले दिन पहला मैच विल्सोनिया स्कॉलर होम और ब्राइटलैंड स्कूल के बीच खेला गया जिसमें ब्राइटलैंड स्कूल ने विल्सोनिया को 62 रन से हराया। दूसरा मैच महाराजा अग्रसेन और सेंट पोल्स स्कूल के बीच खेला गया जिसमें महाराजा अग्रसेन ने 53 रन से जीत हासिल की। तीसरा मैच द आर्यन जोया और सीएनएस एकेडमी के बीच खेला गया जिसमें द आर्यन जोया ने सीएनएस एकेडमी को 2 ओवर में टीम ओल आउट कर दी। चौथा मैच एमपीएस और बोनी एनी पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें एमपीएस ने बोनी एनी टीम को 79 रन के साथ 7 विकेट से हराया। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता के बाकी मैच एमपीएस के मैदान में ही खेले जाएंगे।

मनिका बत्रा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

नई दिल्ली। एजेंसी
भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में 24वें स्थान पर पहुंच गई हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। मनिका ने 15 पायदान की छलांग लगाते हुए 39वें स्थान से 24वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके अलावा, उन्होंने श्रीजा अकुला को पीछे छोड़ते हुए भारत की नंबर एक पैडलर बन गईं। मनिका शीर्ष 25 एकल रैंकिंग में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन

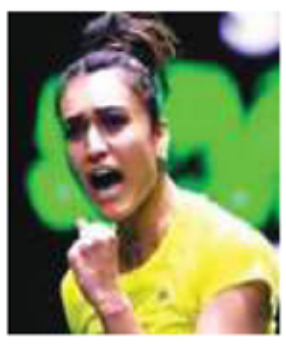

गई हैं। उन्होंने 2019 में साथियान ज्ञानसेखरन (वर्तमान में विश्व नंबर 65) द्वारा हासिल की गई विश्व नंबर 24 रैंकिंग की भी बराबरी की, जो एकल में किसी भारतीय द्वारा प्राप्त सर्वोच्च रैंकिंग है। मनिका की रैंकिंग में उछाल पिछले हफ्ते सऊदी स्मैश इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद आया, जहां उन्होंने राउंड 32 में शीर्ष चीनी खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता वर्ल्ड नंबर 2, वांग मन्यु पर उलटफेर भरी जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1 जर्मनी की नीना मित्तेलहम को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें अंततः जापान की विश्व नंबर 5 हिना हयाता से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल रैंकिंग में, अनुभवी अचंता शरथ कमल तीन स्थान गिरकर 40वें स्थान पर आ गए और सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय बने हुए हैं। मानव ठक्कर और हरमीत देसाई क्रमशः 62वें और 63वें स्थान पर हैं। महिला युगल में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि पुरुष युगल चार्ट में ठक्कर और मानुष शाह तीन स्थान गिरकर 15वें स्थान पर आ गए।

ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड के मुख्य कोच नियुक्त हुए जोहान बोथा

ब्रिस्बेन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सीमित ओवरों के कप्तान जोहान बोथा को अगले तीन वर्षों के लिए ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। ब्रिस्बेन हीट ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। 42 वर्षीय बोथा वेड सेकोम्बे की जगह लेंगे। क्वींसलैंड डब्ल्यूएनसीएल और ब्रिस्बेन हीट महिला कोच एशले नोफके और इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एडम हॉलियोके भी इस पद के लिए दौड़ में थे। कोचिंग भर्ती प्रक्रिया क्वींसलैंड के विशिष्ट क्रिकेट प्रमुख जो डावेस, सीईओ टेरी स्वेनसन और क्वींसलैंड बोर्ड के निदेशक और पूर्व टेस्ट विकेटकीपर इयान ह्यीली द्वारा संचालित की गई थी। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए पूर्णकालिक खेलने के लिए 2012 में एडिलेड जाने के बाद बोथा एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं, जिन्होंने पांच टेस्ट, 78 एकदिवसीय और 40 टी 20 आई खेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया, जिसमें 21 सफेद गेंद मैचों में अपने देश की कप्तानी भी शामिल थी। उन्होंने दो साल तक शेफील्ड शील्ड और मार्श कप में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की। बोथा के पास बीबीएल में खेलने का व्यापक अनुभव है और उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स, सिडनी सिक्सर्स और होबार्ट हरिकेंस के साथ 71 मैच खेले हैं।

अगले साल पाकिस्तान का दौरा करेगा आयरलैंड, क्रिकेट बोर्ड ने की पुष्टि

डबलिन। क्रिकेट आयरलैंड ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर अगले साल अगस्त और सितंबर में पाकिस्तान के पहले पुरुष दौरे की पुष्टि की है। इस दौरे पर आयरलैंड और पाकिस्तान तीन टी20ई और तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे, जो निर्धारित फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) का एक हिस्सा है। क्रिकेट आयरलैंड की विज्ञप्ति में तारीखों और स्थानों, या दौरे के कार्यक्रम के संबंध में किसी अन्य विवरण का कोई विस्तृत उल्लेख नहीं किया गया है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी द्वारा क्रिकेट आयरलैंड के अध्यक्ष ब्रेन मैकनीस से मुलाकात के बाद इस निर्णय को अंतिम रूप दिया गया। पीसीबी ने शुरू में एक बयान जारी कर पुष्टि की थी कि आयरलैंड भी पाकिस्तान में एक टेस्ट सीरीज खेलेगा, जो एफटीपी का हिस्सा नहीं था। पीसीबी के बयान में कहा गया था, ₹क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ने कहा कि आयरिश टीम अगले साल अगस्त-सितंबर में टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी और जल्द ही महिला टीम के पाकिस्तान दौरे की संभावना की भी समीक्षा करेगी। पीसीबी की विज्ञप्ति के कुछ घंटों बाद, क्रिकेट आयरलैंड ने मैकनीस के साथ नकवी की मुलाकात के संबंध में अपनी वेबसाइट पर एक आधिकारिक बयान जारी किया। जिसमें कहा गया कि व्यापक चर्चा के बाद दोनों बोर्ड अगले वर्ष पुरुष दौरे के लिए सहमत हुए हैं।

वाणिज्य

घरेलू शेयर बाजार पर दबाव सेंसेक्स लाल निशान में लुढ़का

नई दिल्ली। एजेंसी
घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को दबाव में कारोबार करता नजर आ रहा है। कारोबार की मिली-जुली शुरूआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार में तेजी का रुख बना, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने गोता लगा दिया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।
शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 2.24 प्रतिशत से लेकर 1.61 प्रतिशत

की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सिप्ला, अडाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, नेस्ले और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 2.18 प्रतिशत से लेकर 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।
अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,143 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,547 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 596 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।
बीएसई का सेंसेक्स आज 79.41 अंक की कमजोरी के साथ 72,696.72 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का जोर बन जाने के कारण ये सूचकांक उछल कर 73,002.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

देश में यात्री वाहन की बिक्री अप्रैल में 1.3 फीसदी बढ़कर 3,35,629 इकाई

नई दिल्ली। एजेंसी
अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 1.3 फीसदी बढ़कर 3,35,629 इकाई पर पहुंच गई है। इससे पिछले साल अप्रैल, 2023 में यह 3,31,278 इकाई रही थी। ऑटोमोबाइल उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। सियाम के मुताबिक अप्रैल 2023 में कंपनियों से डीलरों तक यात्री वाहनों की डिलीवरी 3,31,278 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 31 फीसदी बढ़कर 17,51,393 इकाई पर पहुंच गई जबकि अप्रैल 2023 में यह 13,38,588 इकाई रही थी। अप्रैल में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 14.5 फीसदी बढ़कर 49,116 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2023 में यह 42,885 इकाई रही थी। उल्लेखनीय है कि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) भारत में सभी प्रमुख वाहन और वाहन इंजन निमार्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाला एक शीर्ष निकाय है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 84 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.13 डॉलर यानी 0.16 फीसदी की उछाल के साथ 83.49 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.12 डॉलर यानी 0.15 फीसदी बढ़कर 78.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी
ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार सपाट स्तर पर कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। वहीं यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। जबकि एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने के पहले बाजार पर दबाव बना नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,431.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 5,221.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.29 प्रतिशत की मजबूती के

साथ 16,388.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ।
डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत फिसल कर 39,387.42 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 8,414.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,209.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,742.22 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर ने किया मनरेगा कार्यों का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 14 मई को जिला कलक्टर निधि बीटी ने मंगलवार को उपखंड बाड़ी के बैनपुरा और कांसपुरा में महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रमिकों लिए पर्याप्त छाया तथा पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रमिकों से भुगतान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कार्यस्थल पर प्राथमिक उपचार किट के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान श्रमिकों की हाजिरी तथा उनके अनुरूप उपस्थिति की भी जांच की गई। उन्होंने निर्धारित टास्क के अनुसार श्रमिकों को कार्य देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खादर में सड़क निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। सड़क एक ही परत की बनी हुई थी जिस पर उन्होंने सड़क पर एक और लेयर बनाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र बैनपुरा के नवीन भवन में भूसा तथा गेहूं भरा हुआ पाया गया। जिसको तत्काल खाली करवाने हेतु जिला कलक्टर ने निर्देश दिए।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में आदर्श टैगोर सनी चौधरी को मिला संभागस्तर में प्रथम स्थान

- **विज्ञान वर्ग में 96.20 प्रतिशत अंक**

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। कस्बे के आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय के विद्यार्थी सनी चौधरी ने सीबीएसई सीनियर वर्ग के परीक्षा परिणाम में सर्वोच्च अंक हासिल कर संभागस्तर पर मिनी कोटा का वर्चस्व बनाए रखा। आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय के विद्यार्थी सनी चौधरी ने विज्ञान वर्ग में 96.20 प्रतिशत अंक हासिल कर संभागस्तर पर पहला स्थान हासिल किया। सनी चौधरी ने भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा का लक्ष्य बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय प्रबंधक सतीशचंद शर्मा व माता-पिता को दिया। सनी चौधरी के पिता सैन्य सेवा व माता गृहणी है। बाद में आदर्श टैगोर सीनियर विद्यालय में ढोल नगाडों के बीच तनु राठौड़ (95.20 प्रतिशत) व दसवीं की छात्रा नव्या शर्मा (96.20 प्रतिशत) सहित अन्य विद्यार्थियों का शिक्षकों ने माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस दौरान प्रबंधक सतीशचंद शर्मा, नरेशचंद शर्मा, रमेशचंद गुप्ता, भूपेन्द्र कटारा, योगेश त्यागी, लोकेश बुराला मौजूद रहे।

कांग्रेस की नीति और नियत ठीक न होने से जनता ने दिखाया बाहर का रास्ता: भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

बहादुरगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, तुष्टीकरण और गरीबी की जननी है। इस पार्टी को सबसे ज्यादा समय सत्ता में रहने का मौका मिला मगर गरीबों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का आलम यह था कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी कहते थे कि दिल्ली से हम 1 रुपया भेजते हैं तो जनता तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। वहीं आतंकवाद के कारण लोग डर के साये में जीते थे। आंतकवादी आये दिन बंम फोड़कर चले जाते थे। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के सिर भी काट दिए जाते थे। श्री शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। गरीब कल्याण और देश के विकास के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव भी बढ़ा

है। मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को हरियाणा के बहादुरगढ़ में रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की एक भी घटना सामने नहीं आई है। मोदीजी जनता को 100 रुपये भेजते हैं तो उनके खाते में 100 रुपये ही पहुंचते हैं, बीच में कट नहीं लगता। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने अपनी हर दिवाली सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ मनाकर उनका हौसला बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा दे रही है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी भी गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं, मगर गरीबों से इनका कोई वास्ता नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने गरीब कल्याण की योजनाएं चलाकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और लगभग 50 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन में तीन दिवसीय महिला सशक्तिकरण शिविर संपन्न

जिला प्रमुख सहित शहर की नामचीन महिलाओ ने भाग लिया

चमकता राजस्थान

महिला सशक्तिकरण द्वारा समाज परिवर्तन से स्वर्णिम भारत का निर्माण: बीके अपर्णा दीदी

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा टोंक के राजयोग भवन में 'स्वच्छ एवं स्वस्थ परिवार में माताओं की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय महिला सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। तीन दिनों में माताओं ने ज्ञान, ध्यान (राजयोग), सेवा के साथ साथ शारीरिक व्यायाम और कई प्रकार की प्रतियोगिता का लाभ लिया।

कार्यक्रम के दौरान जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि व्यक्ति की पहली शिक्षक उसकी मां होती है जो उसमें श्रेष्ठ संस्कारों का बीजारोपण करती है। परिवार व समाज में अच्छा वातावरण तैयार करने में माताओं की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रह्माकुमारी संस्थान की दीदियां निरंतर महिलाओं में आध्यात्मिक जागृति लाने का श्रेष्ठ कार्य कर रही है।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र टोंक प्रभारी बीके अपर्णा दीदी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण द्वारा समाज परिवर्तन से स्वर्णिम भारत का

निर्माण हो सकता है। उन्होंने कहा सुखी पारिवारिक जीवन के लिए महिलाओ को नैतिक और चारित्रिक मूल्य जीवन में धारण करना चाहिए। उन्होंने कहा वर्तमान समय महिलाओं को शिव शक्ति बनकर हर समस्या का समाधान करना चाहिए तथा एक दूसरे को इमोशनल सपोर्ट करना चाहिए।

ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृ शक्ति की अनेक रूपो में पूजा होती है वास्तव में माताओं में हर प्रकार के श्रेष्ठ गुण विद्यमान होते हैं परंतु वर्तमान समय पाश्चात्य संस्कृति के कारण, बाहरी आकर्षण में माताओ की आंतरिक शक्तियां विलुप्त हो गई है, यदि वह राजयोग के माध्यम से अपने आप को परमात्मा शिव से जोड़ ले तो अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर वह एक परिवार को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को श्रेष्ठ बन सकती है। ब्रह्माकुमारी गुंजन दीदी ने मानसिक व्यायाम के साथ शारीरिक व्यायाम करवाए तथा विभिन्न प्रतियोगिता से मातओ को खुशहाल जीवन जीने के राज बतायें। कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी ने किया। इस अवसर पर अंजली गुप्ता सहित अनेक माताओं ने शिविर के अनुभव साझा किया।

अमृत ग्रुप का परिंदा अभियान

चमकता राजस्थान

जयपुर। अमृत ग्रुप के तत्वाधान में सेठ आनंदी लाल पोद्दार मूकबधिर स्कूल में परिंदा अभियान का आयोजन किया गया समाज सेवी राजन सरदार ने बताया मूकबधिर स्कूल में बच्चों का उत्साहित होना व उनके जज्बे को देख ही परिंदा अभियान का शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम में प्रधानाचार्य भरत जोशी,संतोष,मनोज मंगतानी,समस्त स्कूल स्टाफ व समस्त अमृत ग्रुप मौजूद रहा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने पूर्व सीएम गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा के बयान पर किया पलटवार

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और खण्डार विधानसभा से विधायक जितेंद्र गोठवाल ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर पलटवार किया। गोठवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूर्व सीएम गहलोत क्या बोलते है यह स्वयं उन्हें नहीं पता, वहीं डोटासरा तो आलाकमान के आदेशों की पालना में जुटे हुए है। कांग्रेस के नेताओं के पास ना तो कोई विजन है और ना ही कोई सोच। ऐसे में जब कांग्रेसी नेताओं के पास कोई मुद्दा ही नहीं बचा तो वे अनर्गल बयान दे रहे हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि पूर्व सीएम गहलोत भाजपा के 400 पार के नारे पर सवाल उठा रहे है जबकि उन्हें यह नहीं पता कि यह नारा जनता के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है। देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करती है। देश की जनता मानती है कि भारत के सम्मान के लिए और गरीबों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूरी है। ऐसे में उनका 400 पार का नारा आमजन का विश्वास है। इसलिए यह 400 पार का नारा भाजपा के लिए ध्येय वाक्य है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा

तो आलाकमान को खुश करने में जुटे हुए है वे केवल आलाकमान के आदेशों की पालना में लगे हुए है। इनका स्वयं का कोई विजन नहीं है। प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार में डोटासरा ने क्या किया था, यह प्रदेश की जनता को याद है। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार 5 साल तक आपसी झगड़ों में ही उलझी रही। प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो गई थी, महिलाओं और दलितों पर अत्याचार किए जा रहे थे। वहीं पेपरलीक कर लाखों युवाओं के भविष्य के साथ जो कुठाराघात कांग्रेस सरकार ने किया था वो प्रदेश की जनता को याद है। भाजपा की 5 माह की भजनलाल सरकार ने कानून व्यवस्था को मजबूत करते हुए एंटी गैंगस्टर फोर्स का गठन किया। 77 पेपरलीक माफियाओं को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया। वहीं दूसरी ओर अवैध बजरी खनन माफियाओं पर नकेल कसी गई।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि भाजपा की 5 माह की भजनलाल सरकार के कार्यों की देशभर में भूरी-भूरी प्रशंसा हो रही है। प्रदेश भाजपा के 136 कार्यकर्ता देशभर के 8 राज्यों में लोकसभा चुनावों के प्रचार की कमान संभाल रहे है। इन कार्यकर्ताओं को जहां जिस प्रांत, बूथ, विधानसभा या लोकसभा की जिम्मेदारी दी गई, वहां पूर्ण समर्पण के साथ भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर रहे है। देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों में विश्वास है, इससे भाजपा 400 पार के संकल्प को पूरा करेगी। कांग्रेसी नेता कम मतदान के प्रतिशत को देखकर खुश हो रहे है, लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन की नहीं है। मतदान की कतार में खड़ा 90 प्रतिशत मतदाता भाजपा का है। देश में भाजपा तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएगी और देश में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बेहतर कार्य होंगे।

समर्थन मूल्य पर खरीद

चमकता राजस्थान

- **सरसों की पंजीयन सीमा को 120 प्रतिशत किया गया**
- **प्रदेश के 30127 किसानों को और मिलेगा फायदा**
- **अधिक से अधिक किसान पंजीयन कर समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त करें**

जयपुर। प्रबन्ध निदेशक, राजफैड़ नारायण सिंह ने बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद के लिए कृषक पंजीयन की सीमा जो पूर्व में 100 प्रतिषन तक निर्धारित थी, को बढाकर 120 प्रतिशत तक किया गया है। इस निर्णय से सरसों के लिए राज्य के 231 केन्द्रों पर 30127 किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि 14 मई तक 1 लाख 22 हजार 454 किसानों से 2.61 लाख मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। जिसकी राशि 1475 करोड़ रूपये है। उन्होंने बताया कि राज्य के अधिक से अधिक किसान ई-मित्र या खरीद केन्द्र पर जाकर पंजीयन कराये ताकि समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। बढी हुई पंजीयन सीमा के लिए किसान 15 मई से पंजीयन करा सकते है।

सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सरसों खरीद हेतु 14,61,028 मीट्रिक टन एवं चना खरीद 4,52,365 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य स्वीकृत किये गये है। सरसों एवं चना का घोषित समर्थन मूल्य क्रमशः 5650 एवं 5440 है। चना विक्रय हेतु 32351 किसानों द्वारा पंजीकरण करवाया हुआ है, जिसमें से 28620 किसानों को तुलाई दिनांक आवंटित करने के उपरांत भी मात्र 642 किसानों द्वारा 1253 मैट्रिक टन चना क्रय केन्द्रों पर लाया गया है। चने के बाजार भाव समर्थन मूल्य दर से अधिक होने के कारण किसानों द्वारा क्रय केन्द्रों पर चना विक्रय करने में रूचि नही ली जा रही है।

प्रबन्ध निदेशक राजफैड़ ने बताया कि किसान क्रय केन्द्र/ई-मित्र के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों सहित यथा (गिरदावरी, बैंक पासबुक, जन-आधार कार्ड) पंजीयन शीघ्र करवायें ताकि उन्हें जिन्स तुलाई हेतु प्राथमिकता पर दिनांक आवंटित की जा सके। उन्होंने बताया कि किसान फसल को सुखाकर अनुज्ञय मात्रा की नमी का साफ-सुथरा कर एफ.ए.क्यू. मापदण्डों के अनुरूप चना-सरसों तुलाई हेतु क्रय केन्द्रों पर लाये। किसानों की समस्या समाधान के लिये किसान हेल्पलाईन नम्बर 18001806001 भी स्थापित किया हुआ है जहां किसान सम्पर्क कर अपनी समस्या का निराकरण प्राप्त कर सकते है।

ड्राफ्टिंग, प्लीडिंग और कन्वेयन्सिग पर माइक्रो कोर्स का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

चमकता राजस्थान/जयपुर। भीलवाड़ा,संगम विश्वविध्यालय ने पहली बार माइक्रो कोर्स की अवधारणा शुरू की है और 14 मई 2024, मंगलवार को स्कूल ऑफ लीगल ने ''ड्राफ्टिंग, प्लीडिंग और कन्वेयन्सिग''पर छह सप्ताह के माइक्रो कोर्स का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। यह छह सप्ताह का कोर्स है, जिसमें पहले पांच सप्ताह ऑफलाइन कक्षाएं होंगी और अंतिम सप्ताह में परीक्षा होगी।

माइक्रो कोर्स की यह अवधारणा वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ करुणेश सक्सेना, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ मानस रंजन पाणिग्रही और रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ राजीव मेहता की देखरेख, मार्गदर्शन और समर्थन के तहत शुरू की गई और इस माइक्रो कोर्स में उनका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ करुणेश सक्सेना ने इस तरह के और भी माइक्रो कोर्सेज जरूरत और आवशयकता के अनुसार अयोजित करने का निर्देश दिया और अन्य स्कूलों को भी अपने विभाग में इस प्रकार के माइक्रो कोर्स आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी छात्रों को इस माइक्रो कोर्स में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

प्रो वाइस चांसलर प्रो मानस रंजन ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह छह सप्ताह का माइक्रो कोर्स न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाएगा बल्कि ड्राफ्टिंग, प्लीडिंग और कन्वेयन्सिग के उनके पेशेवर और व्यावहारिक कौशल को भी विकसित करेगा।

रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ राजीव मेहता ने भी सभी प्रतिभागियों को इस ज्ञानवर्धक माइक्रो कोर्स के लिए शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के सभी संकाय सदस्य डिप्टी डीन डॉ. ओमप्रकाश सोमकुवर, गौरव सक्सेना, शशांक शेखर सिंह, अवतार चौबे, आदित्य दाधीच और वर्तिका मिश्रा भी मौजूद थे। माइक्रो कोर्स की संयोजक डॉ. सुनाक्षी शर्मा ने संचालन किया।

मध्य रात्रि चोरों ने दुकानों में बोला धावा

चमकता राजस्थान। श्रीनगर (रघूनन्दन पारीक) नसीराबाद मध्य रात्रि चोरों ने दुकानों में बोला धावा निकटवर्ती गांव ढाल में नसीराबाद, मंडी यानी रोड़ ढाल चोराहा पर स्थित चाय एवं परचूनी दुकान के ताले तोड़कर सामान ले गये प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकेश पुत्र गोपी गुर्जर निवासी ढाल की दुकान में रविवार की रात चोर केबीन का ताला तोड कर गैस की टंकी एक ख़ाली,एक भरीं टंकी एवं 5000 हजार रुपए नगद पांच हजार का बीड़ी,सिगरेट,गुटखा आदि लें गये गैस की टंकी को ढकने के लिए चोर वहां पड़े बिस्तर में से एक रजाई भी ले गये खाली टंकी घर से सोमवार को भरवाने के लिए दुकान में ला कर रखीं थीं मुकेश गुर्जर ने चोरों के खिलाफ नसीराबाद सदर थाने में मामला दर्ज करवाया है सदर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929